मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 27 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण शुक्ल 15 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 344, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ महिलाएँ लिख रहीं हैं विकास की इबारत

कृति सेनन के रक्षा बंधन ऐड पर मचा बवाल! ◂◂ 6

नेपाल बाढ़ में 175 शव बरामद, 1500 से ज्यादा लापता, यूपी-बिहार में अलर्ट

- ✔ तिब्बत में लैंडस्लाइड से नेपाल में आई बाढ़, 28 देशों के 500 विदेशी लापता, 300 भारतीयों की तलाश जारी

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल त्रासदी की भयावहता कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें नेपाल और चीन में 1500 के करीब लोग लापता हैं। जिनमें तिब्बत में 588 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। वहीं नेपाल सरकार ने कहा है कि उनके वहां 800 से ज्यादा लोग लापता हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल हैं।

नेपाल में 826, चीन में 588 लोग लापताः नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि अचानक आई बाढ़ के बाद 826 लोग संपर्क से बाहर हैं। इनमें 579 पर्यटक शामिल हैं। लापता लोगों में नेपाली सशस्त्र बलों के 85 जवान भी शामिल हैं। वहीं विभिन्न हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे 162 स्टाफ सदस्यों के बारे में भी कुछ पता नहीं चल सका है।

नेपाल सरकार ने कहा कि विदेशी नागरिकों सहित सैकड़ों लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। बुधवार देर शाम

जारी एक बयान में, प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेपाल सेना के 44 जवान, विभिन्न पुलिस चौकियों पर तैनात नेपाल पुलिस के 28 जवान और आपदा ग्रस्त क्षेत्र में तैनात 13 सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के जवानों से संपर्क नहीं हो पाया है। वहीं नेपाल विदेश मंत्रालय ने 300 से ज्यादा भारतीयों के लापता होने की पुष्टि की है।

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने जताया दुखः तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने नेपाल के रसुवा इलाके और तिब्बत के कीरोंग में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई जनहानि पर दुख जताया है। गुरुवार को उन्होंने एक बयान जारी कर अपनी भावनाएं व्यक्त की। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने एक बयान में कहा, 'नेपाल के रसुवा क्षेत्र और तिब्बत के कीरोंग में विनाशकारी बाढ़ के बारे में जानकर मुझे दुख हुआ है। इस आपदा की वजह से कई लोगों ने जान गंवाई और भारी नुकसान हुआ। मैं उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई है, और शोक संतप्त और इस त्रासदी पीड़ित सभी लोगों के प्रति अपनी सहानुभूति और हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।'

दलाई लामा ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि जहां भी संभव हो, उचित फॉलोअप उपाय किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी आपदाएं दोबारा न हों।' तिब्बती क्षेत्र से होते हुए बाढ़ सीमा पार भोटेकोशी नदी पहुंच गई, और नेपाल में विनाश का निशान छोड़ गई।

बिहार- यूपी को बड़ी राहत, गंडक का जलस्तर घटा, बाढ़ का खतरा तत्काल टला

नई दिल्ली : नेपाल से बिहार और उत्तर प्रदेश की ओर आने वाले बाढ़ का खतरा फिलहाल कम होता दिख रहा है। गंडक नदी का जलस्तर तेजी से गिर रहा है और बिहार के पश्चिमी चंपारण ज़िले में वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से पानी का बहाव घटकर लगभग 81,000 क्यूसेक रह गया है। पानी के स्तर में इस गिरावट से बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में नदी के किनारे रहने वाले लोगों को राहत मिली है। नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में अचानक आई जबरदस्त बाढ़ के बाद इन इलाकों को हाई अलर्ट पर रखा गया था। नेपाल की त्रिशूली नदी का पानी नारायणी नदी से होते हुए आगे बढ़ गया है, जिससे गंडक सिस्टम पर दबाव कम हुआ है और राहत मिली है। इसलिए, भारतीय इलाके में पानी के अचानक तेजी से बढ़ने का जो तुरंत खतरा था, वह अब टल गया है, हालांकि अधिकारियों से उम्मीद है कि वे नदी पर कड़ी नजर बनाए रखेंगे। बुधवार को तिब्बत सीमा के पास नेपाल में अचानक आई भयानक बाढ़ के बाद अलर्ट जारी किया गया था। माना जा रहा है कि यह आपदा बर्फ और चट्टानों के खिसकने या भूस्खलन की वजह से आई, जिससे पानी और मलबे का भारी सैलाब नेपाल के कई इलाकों में फैल गया और इसने घरों, सड़कों, पुलों और पनबिजली के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। नेपाल में कम से कम 157 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। इस आपदा का भारत से भी गहरा संबंध है। लापता लोगों में तीर्थयात्रियों और पर्यटकों समेत कई भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। बचाव कार्य जारी रहने के बीच, नेपाल के अधिकारियों ने त्रिशूली और नारायणी जैसी नदियों के किनारे लगातार बने हुए खतरों को लेकर चेतावनी दी है। हालांकि, बिहार और यूपी के लिए बाढ़ का तत्काल खतरा कम होता दिख रहा है क्योंकि गंडक नदी का जलस्तर घट रहा है। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि गंडक नदी नेपाल से निकलती है और भारतीय मैदानी इलाकों में पानी लाती है, जिससे नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक आने वाली बाढ़ निचले इलाकों के जिलों के लिए चिंता का विषय बन जाती है। फिलहाल, नेपाल में आई आपदा एक बड़ी मानवीय आपात स्थिति बनी हुई है, लेकिन बाढ़ के पानी से सीमा पार बिहार और उत्तर प्रदेश में भी वैसी ही संकट की स्थिति पैदा होने का तत्काल खतरा कम होता दिख रहा है। फिर भी, अधिकारियों को सतर्क रहना होगा क्योंकि हिमालयी जलग्रहण क्षेत्र में हालात तेजी से बदल सकते हैं।

नेपाल में आई बाढ़ के बीच रांची के रामप्रसाद यादव लापता, परिजनों की बढ़ी चिंता

रांची : नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बीच झारखंड की राजधानी रांची के रहने वाले 41 वर्षीय रामप्रसाद घोष लापता हो गए हैं। परिजनों के मुताबिक, रामप्रसाद नौकरी के सिलसिले में नेपाल के काठमांडू में रह रहे थे। बाढ़ के बाद से उनसे किसी तरह का संपर्क नहीं हो पा रहा है। 25 अगस्त की रात हुई थी आखिरी बातचीतः जानकारी के अनुसार, रामप्रसाद काठमांडू के अपर त्रिशूली बेसरा इलाके में एक निजी कंपनी में एडमिन के पद पर काम करते थे। वह करीब चार महीने पहले अप्रैल में नौकरी के सिलसिले में नेपाल गए थे। परिजनों के अनुसार, रामप्रसाद से उनकी आखिरी बार 25 अगस्त की रात को बात हुई थी। इसके बाद नेपाल में बाढ़ और तबाही की खबरें सामने आने लगीं, जिसके बाद से उनका मोबाइल फोन बंद है और उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। रामप्रसाद का परिवार रांची के कोकर इलाके में रहता है। अचानक उनसे संपर्क टूटने के बाद परिवार के लोग काफी परेशान हैं। परिजन लगातार उनकी जानकारी मिलने का इंतजार कर रहे हैं और अपने स्तर से भी संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। परिजनों को उम्मीद है कि रामप्रसाद सुरक्षित होंगे और जल्द ही उनका पता चल जाएगा।

कानपुर में ट्रेनी विमान क्रैश, पायलट और ट्रेनी की मौत

- ✔ प्लेन में अचानक हुआ धमाका, फिर नीचे गिरा, दोनों बाहर नहीं निकल पाए

एजेंसी

कानपुर : कानपुर के कटरी क्षेत्र में गुरुवार दोपहर नत्थूपुरवा गांव के पास एक ट्रेनिंग विमान (ट्रेनी एयरक्राफ्ट) अचानक अनियंत्रित होकर खेतों में जा गिरा। इस भीषण दुर्घटना में विमान में सवार दोनों ट्रेनी पायलट की दर्दनाक मौत हो गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्विन इंजन का यह ट्रेनिंग विमान अचानक तेज आवाज के साथ खेतों में आ गिरा। दुर्घटना के तुरंत बाद इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में

ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। अचानक हुए इस हादसे से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

नत्था खेड़ा गंगा बैराज कानपुर के पास ट्रेनिंग विमान/एयरक्राफ्ट गिरने की सूचना पर सीएफओ महोदय की उपस्थिति में अग्निशमन तथा आपात सेवा कानपुर नगर की रेस्क्यू टीमें मौके पर राहत एवं बचाव कार्य कर रही है।

नत्था खेड़ा गंगा बैराज कानपुर के पास ट्रेनिंग विमान/एयरक्राफ्ट गिरने की सूचना पर सीएफओ महोदय की उपस्थिति में अग्निशमन तथा आपात सेवा कानपुर नगर की रेस्क्यू टीमें मौके पर राहत एवं बचाव कार्य कर रही है। घायल पायलट हैलट अस्पताल में भर्तीः घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए पुलिस ने विमान के मलबे से दोनों पायलटों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल एक ट्रेनी पायलट को तुरंत इलाज के लिए हैलट अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी भी मौत हो गई है। 26 जून को भी हुआ था हादसाः बता दें कि इसी वर्ष 26 जून को भी एक विमान हादसा हुआ था। इसमें गर्ग एविएशन लिमिटेड में पायलट का प्रशिक्षण ले रही दिल्ली की युवती विमान लैंड कराकर जल्द उतरने में प्रोपेलर (पंखे) की चपेट में आ गई थी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद उसे तुरंत सर्वोदय नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

31 साल से फ्लाइंग क्लब का हो रहा संचालनः पिछले 31 साल से फ्लाइंग क्लब का संचालन हो रहा है। रविवार को डीजीसीए की टीम मामले की जांच के लिए शहर पहुंची। कैंट थाना प्रभारी अरविंद राय ने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम आई है। जांच के बाद ही साफ हो सकेगा।

पलामू में युवक की करंट से मौत

- ✔ जंगली जीव के शिकार के लिए लगाए गए बिजली के तार के संपर्क में आने से हुआ हादसा

संवाददाता

पलामूः जिले में एक युवक की बिजली के तार के संपर्क में आने से मौत हो गई। मामला नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के उपरली टांड़ गांव का है। दरअसल, कुछ ग्रामीणों ने जंगली जीव के शिकार के लिए बिजली का तार लगाया था। बिजली के तार के चपेट में आने से संदीप भुईयां नाम के युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, संदीप सरईडीह के फटिया गांव का रहने वाला था। पुलिस ने संदीप के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शिकार के लिए लगाए गए तार में फंसने के बाद युवक की मौतः पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। परिजन पूरे मामले में पुलिस को लिखित आवेदन देंगे और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाएंगे। दरअसल, संदीप भुईयां अपने ससुराल गया था। ससुराल में वह अपने एक दोस्त के साथ जंगली जीव के शिकार के लिए जा रहा था, इसी क्रम में उपरली टांड़ में दूसरे ग्रामीणों ने जंगली जीव के शिकार के लिए बिजली का तार लगाया था। इसी तार की चपेट में संदीप और उसका दोस्त आ गया। जिससे संदीप की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिसः दोस्त द्वारा शोर मचाए जाने के बाद अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बिजली के कनेक्शन को काटा। घटना की जानकारी मिलने के बाद नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी नीरज कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

निगम की गाड़ी की चपेट में आकर युवक की मौत, आक्रोशितों ने किया सड़क जाम

धनबाद : धैया ठाकुरकुल्ही निवासी 32 वर्षीय मिथलेश रजक की नगर निगम के कचरा ढोने वाले टीपर की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने नगर निगम कार्यालय के पास शव रखकर प्रदर्शन कर सड़क जाम कर दिया। आक्रोशितों ने मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा और नियोजन देने की मांग कर रहे हैं। बताया जाता है कि 25 अगस्त की दोपहर करीब तीन बजे मिथलेश रजक अपने घर जा रहे थे इसी दौरान ठाकुरकुल्ही गली में नगर निगम का टीपर पीछे की ओर बैक किया जा रहा था।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को 2 हफ़्ते का अल्टीमेटम जंक फूड लेबलिंग पर हेल्थ से समझौता मंजूर नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने पैक्ड फूड के पैकेट के सामने चेतावनी वाले लेबल लगाने के मामले में केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि लोगों की सेहत से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और विकसित देशों में अपनाए जाने वाले फूड-लेबलिंग स्टैंडर्ड्स को लागू करने में सरकार की हिचकिचाहट पर सवाल उठाए हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और के विनोद चंद्रन की बेंच ने केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर फैसला लेने के लिए दो हफ़्ते का समय दिया है। साथ ही, यह भी साफ कर दिया है कि अगर सरकार खुद कोई कदम नहीं उठाती है, तो कोर्ट आगे और निर्देश जारी करने पर विचार करेगा। भारत में मोटापे को लेकर

बढ़ती चिंताओं और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड के तेजी से बढ़ते सेवन के बीच कोर्ट ने दखल दिया है।

सुनवाई के दौरान, जस्टिस पारदीवाला ने केंद्र के उस तर्क पर सवाल उठाया कि भारत फूड लेबलिंग के अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन नहीं कर सकता। जज ने पूछा, क्या भारत को एक अविकसित देश ही बने रहना चाहिए? उन्होंने कहा कि इस मामले को केंद्र सरकार के विचार के लिए रखा जा रहा है। अदालत ने यह भी कहा कि अगर सरकार खुद इस उपाय को लागू करती है तो बहुत अच्छा है, वरना वह आगे के निर्देश जारी करेगी। यह मामला एनजीओ3एस और 'आवर हेल्थ सोसाइटी' की ओर से दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) से जुड़ा है। वकील राजीव शंकर द्विवेदी ने इस याचिका में मांग की है कि पैक्ड फूड पर अनिवार्य रूप से 'फ्रंट-ऑफ-पैक' चेतावनी लेबल लगाए जाएं, ताकि उनमें मौजूद चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की अधिक मात्रा को स्पष्ट रूप से दिखाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने पहले 'फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (एफएसएसएआई) द्वारा उठाए गए कदमों पर असंतोष जताया था और कहा था कि अब तक की कवायद से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। इसके बाद, इसने अधिकारियों से कहा कि वे पैक्ड फूड प्रोडक्ट्स के सामने वाले हिस्से पर सीधे चेतावनी छापने पर विचार करें।

सुप्रीम कोर्ट चेतावनी वाले लेबल क्यों चाहता है?

कोर्ट ने फूड सेफ्टी और न्यूट्रिशन को संविधान के आर्टिकल 21 के तहत स्वास्थ्य के अधिकार और जीवन के अधिकार से जोड़ा है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले खाने से सेहत को खतरा हो सकता है और बेहतर विकल्प चुनने के लिए ग्राहकों को साफ जानकारी की जरूरत है। खासकर बच्चों में मोटापा बढ़ने के कारण यह मुद्दा और भी जरूरी हो गया है। इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 में मोटापे को सेहत से जुड़ी एक बड़ी चुनौती बताया गया है और इसके लिए खराब खान-पान, सुस्त जीवनशैली और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का ज्यादा सेवन ज़िम्मेदार माना गया है।

आंध्र प्रदेश में सड़क हादसा : बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे रास्ते में काल बनकर आई बस, सात की मौत, आठ घायल

एजेंसी

अमरावतीः आंध्र प्रदेश के पलनाडू जिले में गुरुवार तड़के एक प्राइवेट बस और ऑटो-रिक्शा की टक्कर हुई। इसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। वहीं, आठ अन्य घायल हो गए। मरने वालों में छह महिलाएं शामिल हैं।

पुलिस ने क्या बताया?

पुलिस ने बताया कि यह हादसा पलनाडू जिले के चिलकालूरिपेट में अड्डा रोड के पास हुआ। विजयवाड़ा से तिरुपति जा रही प्राइवेट बस ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। ऑटो-रिक्शा में तकरीबन 15 लोग सवार थे। उनमें से सात लोगों की मौत हो गई।

चार बच्चों समेत आठ अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को गुंटूर के सरकारी जनरल अस्पताल और चिलकलुरिपेट सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

'जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे': पुलिस के अनुसार, पीड़ित चिलकलुरिपेट मंडल के वेलुरु गांव के रहने वाले थे। वे प्रकाशम जिले के कोंडामांजुलुर में एक जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। चार लोगों की मौत मौके पर ही हो गई। वहीं, दो लोगों की मौत गुंटूर के सरकारी जनरल अस्पताल में और एक की मौत चिलकलुरिपेट सरकारी अस्पताल में हुई।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने क्या निर्देश दिए?

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने इस भयानक सड़क हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को हर संभव बेहतर इलाज मिले और उनकी सेहत पर लगातार नजर रखी जाए।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी सड़क हादसे पर दुख जताया। उन्होंने जिला अधिकारियों से बात की और उन्हें घायलों के लिए बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गृह मंत्री ने संवेदना व्यक्त की

इसी बीच, राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने चिलकालूरिपेट में हुए सड़क हादसे के संबंध में पलनाडू के अतिरिक्त एसपी से बात की। उन्होंने हादसे की गंभीरता, मृतकों और घायलों के विवरण और राहत कार्यों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। सात लोगों की मौत को बेहद दुखद बताते हुए गृह मंत्री अनीता ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

न्यूज IN ब्रीफ

जेपीएससी को यूपीएससी के अधीन कराने की मांग

रांची: जेपीएससी- यूपीएससी रिफॉर्म मंच की ओर से रांची प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस दौरान मंच के सदस्यों ने जेपीएससी- जेएसएससी की कार्यप्रणाली, परीक्षा में कथित अनियमितताओं और हालिया विवाद को लेकर सरकार पर सवाल उठाए।

मंच की अमीषा प्रसाद ने आरोप लगाया कि पुतला दहन कार्यक्रम में वह मौजूद नहीं थीं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान जेएमएम कार्यकर्ताओ ने प्रतिमा कुमारी के साथ धक्का-मुक्की की और उनका दुपट्टा खींचा। इस मामले में सरकार और प्रशासन से सवाल उठाने के बाद अगले दिन उन्हें नामजद आरोपी बना दिया गया। उन्होंने इसे महिलाओं के प्रति सरकार की संवेदनहीनता बताया।

वहीं, मंच के उमेश प्रसाद ने जेपीएससी को भंग कर परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी यूपीएससी को सौंपने की मांग की। उन्होंने कहा कि झारखंड गठन के 26 वर्षों में जेपीएससीअब तक केवल आठ सिविल सेवा परीक्षाएं पूरी कर सका है, जबकि उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में इससे अधिक परीक्षाएं आयोजित की गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अलग-अलग सरकारों के कार्यकाल में जेपीएससी पर अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं।

उमेश प्रसाद ने संविधान के अनुच्छेद 315 और 316 का हवाला देते हुए कहा कि निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के तहत वढरउ को राज्य लोक सेवा आयोग से संबंधित परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। उन्होंने राज्यपाल और सरकार से इस दिशा में पहल करने की मांग की।

मंच ने पुतला दहन विवाद में दर्ज एफआईआर वापस लेने की भी मांग की। उमेश प्रसाद ने कहा कि यदि सरकार केस वापस नहीं लेती है, तो राज्यव्यापी जेल भरो आंदोलन चलाया जाएगा। मंच ने जेपीएससी- जेएसएससी की परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ठोस सुधार की मांग की।

बोकारो फ्रैक्चर से जूझ रहे दो मरीजों का सफल ऑपरेशन, सदर अस्पताल में हुआ इलाज

बोकारो : बोकारो सदर अस्पताल में ऑर्थोपेडिक टीम ने दो मरीजों की सफल सर्जरी की। दोनों मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है।

सदर अस्पताल बोकारो में बुधवार को दो मरीजों की सफल ऑर्थोपेडिक सर्जरी की गई। पहले मामले में चास निवासी 24 वर्षीय अंकित मिश्रा को बाएं हाथ में चोट लगने के बाद दर्द, सूजन व हाथ चलाने में कठिनाई की शिकायत के साथ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच में बाएं हाथ की हड्डी में फ्रैक्चर पाया गया। जांच के बाद उनकी सफलतापूर्वक ऑर्थोपेडिक सर्जरी की गई।

दूसरे मामले में चास निवासी 54 वर्षीय मीरा देवी को चोट लगने के बाद दाएं हाथ की कोहनी में दर्द, सूजन व हाथ चलाने में कठिनाई की शिकायत थी। जांच में दाएं हाथ में फ्रैक्चर पाया गया। जांच के बाद सफलतापूर्वक सर्जरी की गई।

दोनों मरीजों की सर्जरी ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ अमित द्वारा की गई, जबकि एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ सौरभ सांख्यायन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऑपरेशन के दौरान दोनों मरीजों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी गई। किसी प्रकार की महत्वपूर्ण जटिलता नहीं हुई।

ऑपरेशन के बाद दोनों मरीजों की स्थिति स्थिर है। उन्हें पोस्ट-ऑपरेटिव निगरानी में रखा गया। आगे की चिकित्सा व देखभाल ऑर्थोपेडिक टीम की सलाह के अनुसार जारी है। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने सफल सर्जरी के लिए चिकित्सकीय टीम को बधाई दी।

बोकारो के मोहित राजपूत ने जीता मिस्टर स्टाइल का खिताब, जमशेदपुर में लहराया परचम

बोकारो : जिले के मोहित राजपूत ने 60 से अधिक प्रतिभागियों को पछाड़कर मिस्टर स्टाइल सीजन-1 का खिताब जीता। उनकी इस उपलब्धि पर समाज ने उन्हें सम्मानित किया।

बोकारो जिले के रानीपोखर गांव निवासी मोहित राजपूत ने जमशेदपुर में आयोजित बीएएमएम मिस्टर स्टाइल सीजन-1, 2026 प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल कर मिस्टर स्टाइल का खिताब अपने नाम किया।

उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। धनबाद-बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज की ओर से गुरुवार को सम्मान समारोह आयोजित कर मोहित को बधाई दी गयी।

विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों के बीच बनायी जगहः प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से 60 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच मोहित ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। खिताब जीतकर उन्होंने न केवल अपनी पहचान बनायी, बल्कि बोकारो जिले का नाम भी रोशन किया।

मोहित की सफलता युवाओं के लिए प्रेरकः सम्मान समारोह में धनबाद-बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज के केंद्रीय अध्यक्ष जन्मेजय सिंह ने मोहित को बधाई देते हुए कहा कि झारखंड स्तर की प्रतियोगिता में ह्यमिस्टर स्टाइलह्व का खिताब हासिल करना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि मोहित की सफलता युवाओं को अपनी प्रतिभा को मंच देने के लिए प्रेरित करेगी।

साधारण पृष्ठभूमि से आते है मोहितः मोहित के परिवार की आर्थिक पृष्ठभूमि साधारण है। उनकी मां कविता राय गृहिणी हैं, जबकि पिता प्रेम राय किराना दुकान चलाते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद मोहित ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता को क्षेत्र के लोगों ने युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

सम्मान समारोह रहा लोगों से गुलजारः सम्मान समारोह में केंद्रीय महामंत्री सिरीश सिंह, केंद्रीय कोषाध्यक्ष राम चरित्र सिंह, संयुक्त महामंत्री गोपाल सिंह, यशवंत सिंह, अतुल सिंह, रामबालक सिंह, गौतम सिंह, राजेश सिंह, सुंदरलाल सिंह, श्रीनाथ राय और पतित पवन राय समेत समाज के कई लोग मौजूद रहे। सभी ने मोहित के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरा नहीं लगाये जाने से हाइकोर्ट नाराज, डीजीपी को अवमानना नोटिस

अगली सुनवाई 17 सितंबर को

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के डीजीपी को कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं होने पर अवमानना नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उनसे पूछा है कि कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं होने पर उनपर क्यों नहीं अवमानना की कार्रवाई की जाए । कोर्ट ने डीजीपी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है । अब अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी ।

कोर्ट ने डीजीपी से पूछा है कि कोर्ट के आदेश के अनुपालन को लेकर झारखंड के पुलिस थानों में सीसीटीवी क्यों इंस्टॉल नहीं किया जा रहा है? कोर्ट ने सरकार को राज्य के पुलिस थानों में 4 सप्ताह में सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया है । सीसीटीवी इंस्टॉलशन के संबंध में मुख्य सचिव और गृह सचिव कोअनुपालन रिपोर्ट 30 सितंबर तक पेश करने का निर्देश दिया है ।

अदालत ने कहा कि मुख्य सचिव और गृह सचिव कोर्ट के आदेश को गंभीरता से लें । वहीं डीजीपी को भी कोर्ट के आदेश को गंभीरता से लेने की हिदायत दें । हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रत्याशी रह चुके तरुण महतो की पुलिस कस्टडी में पिटाई से संबंधित कोर्ट के स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई की ।

मेडिकल ऑफिसर के कार्रवाई के संबंध में नहीं आया सरकार का जवाबः पिछली सुनवाई में कोर्ट ने सरायकेला एसपी को बताने को कहा था कि उनके जिले में पुलिस थानों में सीसीटीवी लगाने के संबंध में क्या कार्रवाई हुई? कोर्ट ने मामले में प्रधान सचिव हेल्थ से भी पूछा था कि जिस मेडिकल ऑफिसर ने तरुण महतो को कोर्ट में पेश करने के समय फिट फॉर कस्टडी का सर्टिफिकेट दिया था, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई है।

लेकिन आज सुनवाई के दौरान संबंधित मेडिकल ऑफिसर के कार्रवाई के संबंध में सरकार का कोई जवाब नहीं आया, जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई ।

पुलिस कस्टडी में जेएलकेएम प्रत्याशी के साथ की गई थी मारपीट

: बता दें कि वर्ष 2024 के चुनाव में तरुण महतो झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के इचागढ़ प्रत्याशी रह चुके हैं। 19 नवंबर 2025 की रात इचागढ़ पुलिस उन्हें पड़कर थाने ले गई। जहां हिरासत में उनकी बर्बरता से पिटाई की गई थी।

इचागढ़ पुलिस की ओर से उन्हें थर्ड डिग्री टॉर्चर भी किया गया था। इसको लेकर उनकी पत्नी की ओर से हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को एक पत्र लिखा गया था। इस पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। मामले में पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने एसपी सरायकेला को दस्तावेज के साथ बुलाया भी था।

प्रशिक्षण के बाद 120 महिलाओं को दी गई सिलाई मशीन

संवाददाता

खूंटी : प्रखंड के हुटार-चलागी गांव में आजाद फाउंडेशन, हिमाचल प्रदेश एवं सम्मान समाज सेवा फाउंडेशन, रांची के संयुक्त माध्यम से संचालित लघु एवं कुटीर उद्योग के तहत सिलाई-कटाई प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी 120 प्रशिक्षु महिलाओं को एक-एक सिलाई मशीन प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आजाद फाउंडेशन के सीईओ राम दुबे, वाइस प्रेसिडेंट हरिओम पांडेय एवं नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रभाष कुमार सिंह सह सीईओ, सम्मान समाज सेवा फाउंडेशन मौजूद रहे। वहीं सम्मान समाज सेवा फाउंडेशन के सचिव राजेश कुमार सिंह भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर अतिथियों ने महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण बताया। सिलाई मशीन मिलने से प्रशिक्षित महिलाएं अपने घर से ही सिलाई-कटाई का कार्य शुरू कर आय अर्जित कर सकेंगी। कार्यक्रम में चलागी गांव के ग्राम प्रधान मुकुट सांगा, वार्ड सदस्य पूनम सांगा, खूंटी जिला के डिस्ट्रिक्ट प्रतिनिधि त्रिपुरारी साहू, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर रतन हेमरम, खूंटी ब्लॉक कोऑर्डिनेटर प्रीति देवी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में सिलाई मशीन प्राप्त करने को लेकर उत्साह देखा गया।

झारखंड में फिर बदला मौसम का मिजाज, 30 अगस्त तक बारिश

संवाददाता

रांचीः बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने से झारखंड के कई इलाकों में बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य में 30 अगस्त तक रांची सहित अलग-अलग हिस्सों में भारी और मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है । 27 अगस्त को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, खूंटी और कोडरमा में भारी बारिश होने की संभावना है । इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

कई जिलों में बारिश का अलर्टः रांची सहित अन्य जिलों में बादल छाये रहेंगे और कहीं-कहीं मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। 28 अगस्त को चतरा, कोडरमा, गिरिडीह और हजारीबाग में भारी बारिश होगी, जबकि अन्य जिलों में बादल छाये रहेंगे और हल्की बारिश हो सकती है। 29 अगस्त को गिरिडीह, देवघर, दुमका, धनबाद, जामताड़ा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में भारी बारिश की संभावना है।

झारखंड में 10% कम बारिशः आज गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, हजारीबाग व कोडरमा में भारी बारिश की चेतावनी कल चतरा, कोडरमा, गिरिडीह व हजारीबाग में भारी बारिश बुधवार को सबसे अधिक जमशेदपुर में 65 मिमी हुई बारिश रांची में सामान्य से चार प्रतिशत अधिक बारिश मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार झारखंड में अब भी सामान्य से 10 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

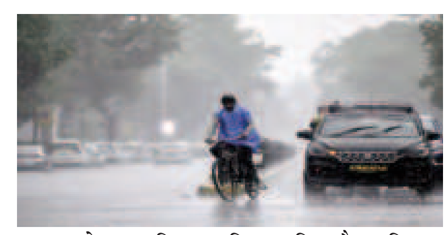

सिमडेगा में 7% अधिक बारिशः एक जून से 26 अगस्त तक झारखंड में सामान्य बारिश 759.1 मिमी है, जबकि अब तक 679.8 मिमी बारिश हुई है । वहीं रांची में इस अवधि में सामान्य बारिश 776.3 मिमी है, जबकि अब तक 807.5 मिमी बारिश दर्ज की गयी है । यानी रांची में चार प्रतिशत अधिक बारिश हुई है । इसके अलावा पश्चिमी सिंहभूम में 44 प्रतिशत, सिमडेगा में सात प्रतिशत, सरायकेला-खरसावां में छह, लातेहार में आठ और खूंटी में चार प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गयी ह । बुधवार को सबसे अधिक जमशेदपुर में 65 मिमी बारिश हुई। रांची में दो और बोकारो में 45 मिमी बारिश दर्ज की गयी ।

महाकवि महिपाल साधु कुड़माली सांस्कृतिक कला समिति का सांस्कृतिक कार्यक्रम 30 को

मुरीः महाकवि महिपाल साधु कुड़माली सांस्कृतिक कला समिति द्वारा आगामी 30 अगस्त 2026 दिन रविवार समय - सुबह 11 बजे से- चालीटांड मैदान रामडेरा में डहरे करम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुए योगेन्द्र प्रसाद महतो ने बताया कि सिल्ली पश्चिमी क्षेत्र के कलाकारों द्वारा नागेडीह में स्थित स्व। महिपाल साधु की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद कलाकारों द्वारा नागेडीह से पैदल यात्रा कर जगह जगह पर सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हुए कार्यक्रम स्थल चालीटांड़ मैदान रामडेरा पहुंचेंगे। फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

खूंटी-रांची मुख्य मार्ग पर सड़क धंसने से बना जानलेवा गड्ढा, हादसे को दे रहा न्योता

संवाददाता

खूंटी : खूंटी-रांची मुख्य मार्ग एनएच-23 ई सड़क पर आशाकिरण के समीप लगातार हो रही बारिश और सड़क की अनियमितता के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया है। सड़क धंसने से यहां गुफानुमा गहरा गड्ढा बन गया है, जो किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग आवागमन करते हैं। वहीं स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राएं, दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर भी इसी सड़क का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में सड़क के बीचों-बीच बना यह खतरनाक गड्ढा लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है। हैरानी की बात यह है कि अब तक पथ निर्माण विभाग की नजर इस जानलेवा स्थिति पर नहीं पड़ी है। विभाग की कथित लापरवाही के कारण दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए गड्ढे के आसपास झाड़ियों और लाल कपड़े से घेराबंदी कर दी है, ताकि दूर से ही वाहन चालकों और राहगीरों की नजर इस खतरे पर पड़े और लोग गड्ढे से बच सकें। स्थानीय लोगों की यह अस्थायी व्यवस्था किसी बड़े हादसे को टालने का प्रयास जरूर है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं की गई और गड्ढे को ठीक नहीं किया गया, तो रात के समय या तेज बारिश के दौरान यहां बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने पथ निर्माण विभाग से तत्काल मौके का निरीक्षण कर सड़क की मरम्मत कराने और गड्ढे को सुरक्षित तरीके से भरने की मांग की है। अब देखना होगा कि किसी बड़े हादसे के बाद विभाग जागता है या उससे पहले ही इस जानलेवा गड्ढे की सुध लेकर कार्रवाई करता है।

जोश-ओ-खरोश के साथ निकला 12 रबीउल अव्वल का जुलूस

संवाददाता

खूंटीः 12 रबीउल अव्वल के अवसर पर खूंटी में जुलूस-ए-मोहम्मदी का आयोजन जोश-ओ-खरोश के साथ किया गया। जुलूस की सदारत मौलाना मुफ्ती नफीस अहमद मजहरी ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आखिरी रसूल हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने अपनी जिंदगी सादगी, भाईचारे और इंसानियत की भलाई के लिए गुजारी। उन्होंने अपना पूरा जीवन लोगों की भलाई और मानवता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। जुलूस में इस्लाम के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इनमें मक्का, मदीना, मस्जिद-ए-अक्सा और हिंद के प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह को झांकी के रूप में दर्शाया गया। जुलूस को सफल बनाने में जन्नत नगर के सदर आसिफ इकबाल, नायब सदर एहसान अंसारी उर्फ पिंटू, सेक्रेटरी नईम अख्तर, नायब सेक्रेटरी मोहम्मद इरशाद एवं खजांची मोहम्मद शोएब आरजू सहित अन्य लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं मस्जिद कमेटी के सदर जैनुल आबिदीन, नायब सदर मोहम्मद मजहर, सेक्रेटरी मोहम्मद साजिद, नायब सेक्रेटरी मेहताब, खजांची नौशाद भोला, महमूद, मोहम्मद इम्तियाज, अजहर, भोला जमील, निजाम, मुजाहिद और जावेद सहित अन्य लोगों ने जुलूस की सफलता में सहयोग किया। खूंटी अंजुमन के सदर जैद रैन एवं गुलाम गौस शाहिद, सेक्रेटरी मानन अंसारी, खालिद हुसैन, सफी सोनू समेत अन्य लोगों ने भी आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। यह जानकारी खूंटी के मीडिया प्रभारी अरकम हुसैन (टिंकू बालक) ने दी।

श्रावणी मेला- 2026 : कांवरियों की सेवा में समर्पित रहा महाकवि योगेश फाउंडेशन

भूसावल का केला और गाय के शुद्ध दूध की चाय का स्वाद नहीं भूल पाएंगे शिवभक्त

मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं : अनिल सिंह

मेट्रो रेज

घुटिया–सुईया/बांका (बिहार) : सामाजिक संगठन महाकवि योगेश फाउंडेशन, नीरपुर (अथमलगोला) पटना एवं गोविंदा कंस्ट्रक्शन्स, विक्रम (पटना) के संयुक्त सौजन्य से श्रावणी मेला 2026 के अवसर पर बांका जिलांतर्गत सुइया पहाड़ (घुटिया) में निःशुल्क बोल बम सेवा शिविर का आयोजन किया गया।

लगभग एक महीने तक इस शिविर में शिव भक्तों (कांवरियों) के लिए प्राथमिक चिकित्सा शौचालय एवं स्नान की सुविधा, शीतल पेयजल, नींबू/दूध की चाय व अल्पाहार (फल) की सुविधा, विश्राम/शयन, मोबाइल चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई। फाउंडेशन द्वारा श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए जागरण, संगीत संध्या, भगवान शिव-पार्वती की जीवंत झांकी आदि की प्रस्तुति की गई, जिसका शिव भक्तों ने खूब आनंद उठाया। शिविर में डाक बम के लिए विशेष सेवाएं उपलब्ध रही।

निःशुल्क बोल बम सेवा शिविर का उद्घाटन सावन माह के प्रथम दिन 30 जुलाई, 2026 को बिहार सरकार के पूर्व भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने किया। शिविर का समापन शुक्रवार (28 अगस्त, 2026) को होगा।

विदित हो कि अथमलगोला (पटना) के सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्व।डॉ। योगेश्वर प्रसाद सिंह योगेश की स्मृति में विगत तीन वर्षों से सावन माह में शिव भक्तों के लिए घुटिया-सुईया(बांका) में स्वागत शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। शिविर के सफल संचालन में पटना जिलांतर्गत अथमलगोला क्षेत्र के पूर्व प्रमुख अनिल सिंह, पैक्स के चेयरमैन सह पूर्व मुखिया संतोष सिंह, समाजसेवी हिमांशु कुमार उर्फ छोटू सहित अन्य सहयोगियों का उल्लेखनीय योगदान रहता है। उक्त जानकारी देते हुए पटना जिलांतर्गत बख्तियारपुर प्रखंड स्थित राघोपुर ग्राम निवासी समाजसेवी व शिवभक्त जितेन्द्र सिंह बताया कि सावन माह के दौरान लगभग एक महीने तक महाकवि योगेश फाउंडेशन के वॉलिंटियर्स निरंतर कांवरियों की सेवा में लग रहे। शिव भक्तों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसका पूरा ख्याल स्वागत शिविर में रखा गया।

रांची केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ युवा कांग्रेस ने घेरा उपायुक्त कार्यालय

- ✔ केंद्र सरकार झारखंड का खनिज राजस्व रोकने का आरोप

संवाददाता

रांची: केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को रांची डीसी कार्यालय का घेराव किया। कार्यकताओं ने केंद्र सरकार पर झारखंड के खनिज राजस्व में राज्य के हिस्से को प्रभावित करने और राज्य के विकास को कमजोर करने का आरोप लगाया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध

राज्य है और खनिज से मिलने वाला राजस्व राज्य के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार द्वारा खनिज से जुड़े राजस्व में कटौती या भुगतान रोकने से राज्य की विकास योजनाओं पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता और आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता दयामनी बारला ने कहा कि एमएमडीआर (खनिज एवं खनिज विकास एवं विनियमन) संशोधन कानून संघीय व्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि खनिज राजस्व का बड़ा हिस्सा केंद्र को जाने के बाद राज्य को मिलने वाला हिस्सा विकास कार्यों के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य को उसका उचित हिस्सा नहीं मिलेगा, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के संचालन पर असर पड़ सकता है। युवा कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार से झारखंड के हितों को ध्यान में रखते हुए खनिज राजस्व से जुड़े मुद्दे पर पुनर्विचार करने की मांग की।

यााददाश्त में बदलाव को नजरअंदाज न करें, डिमेंशिया के संकेत पहचानें

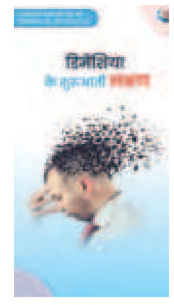

रांची: उम्र बढ़ने के साथ कभी-कभा चीजें भूलना सामान्य है, लेकिन बार-बार भूलने और रोजमर्रा के काम प्रभावित होने पर इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। एससीएआरएफ एनजीओ की सह-संस्थापक और मनोचिकित्सक डॉ। थारा रंगास्वामी के अनुसार, भारत में 88 लाख से अधिक लोग डिमेंशिया के साथ जी रहे हैं। एक ही सवाल दोहराना, चीजें गलत जगह रखना, सही शब्द खोजने में परेशानी, परिचित कामों में कठिनाई और तारीख या रास्ते को लेकर भ्रमित होना शुरूआती संकेत हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, समय पर चिकित्सकीय सलाह और सही देखभाल से व्यक्ति और परिवार को आगे की तैयारी में मदद मिल सकती है।

राज किशोर सिंह बने इंटक फेडरेशन के वाइस चेयरमैन, बिहार-झारखंड के प्रभारी

मेट्रो रेज

रांची: इंडियन नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस (इंटक) फेडरेशन ने कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि राज किशोर सिंह को फेडरेशन का वाइस चेयरमैन एवं बिहार-झारखंड का प्रभारी नियुक्त किया है। इस संबंध में इंटक फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामीनाथ जायसवाल द्वारा 22 अगस्त 2026 को जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, राज किशोर सिंह को यह जिम्मेदारी उनकी संगठनात्मक क्षमता, प्रतिबद्धता तथा श्रमिकों के कल्याण के प्रति समर्पण को देखते हुए सौंपी गई है।

नियुक्ति के बाद आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, रांची में राज किशोर सिंह का प्रदेश कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों एवं कांग्रेसजनों ने माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर राकेश सिन्हा, जगदीश साहु, सुरेन राम, टिंकू वर्मा, आशुतोष नाथ पाठक, नेली नाथन एवं रामानंद केशरी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जारी कार्यालय आदेश में कहा गया है कि राज किशोर सिंह

बिहार एवं झारखंड में फेडरेशन की संगठनात्मक गतिविधियों के समन्वय एवं सुदृढ़ीकरण, श्रमिक कल्याण को बढ़ावा देने तथा संबद्ध इकाइयों एवं पदाधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके अतिरिक्त फेडरेशन के सक्षम प्राधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य दायित्वों का भी वे निर्वहन करेंगे। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि राज किशोर सिंह नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण के साथ करेंगे तथा श्रमिकों के हित एवं कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

राज किशोर सिंह की नियुक्ति से बिहार एवं झारखंड के श्रमिक संगठनों तथा इंटक से जुड़े कार्यकर्ताओं में उत्साह है। समर्थकों एवं कांग्रेसजनों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बड़गाई में कुत्तों का अस्पताल बनाने का विरोध, लोगों ने रोकी नापी

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के बड़गाई में कुत्तों के अस्पताल बनाने का विरोध शुरू हो गया है। रांची नगर निगम वार्ड नंबर पांच के बड़गाई बस्ती में 2.05 करोड़ रुपये की लागत से कुत्तों का अत्याधुनिक अस्पताल और शेल्टर होम बनाने की योजना है। इसके लिए निगम ने 1.90 एकड़ जमीन चिह्नित कर ली है और बुधवार को टेंडर जारी कर दिया गया। इच्छुक संवेदक 21 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। 24 सितंबर को टेंडर फाइनल होगा। चयनित संवेदक को कायार्देश मिलने के बाद नौ माह में निर्माण पूरा करना होगा।

डॉग हॉस्पिटल का विरोध, नापी रोकीः अस्पताल निर्माण की प्रक्रिया शुरू होते ही स्थानीय लोग विरोध में उतर आये। मंगलवार को निगम और इंफोर्समेंट टीम जमीन की नापी करने पहुंची थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने अमीन को नापी से रोक दिया। विरोध के दौरान पूर्व पार्षद हुस्ना आरा ने कहा कि इस जमीन को पार्क या मैदान के रूप में विकसित करने की मांग तीन वर्ष पहले ही निगम से की गयी थी। इसके बावजूद

यहां कुत्तों का अस्पताल और शेल्टर होम बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल बनने के बाद पूरे शहर के आवारा कुत्तों का जमावड़ा बड़गाई में होगा, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी होगी निवासियों ने कहा कि आबादी वाले क्षेत्र में इस तरह की सुविधा बनाना उचित नहीं है।

झिरी में अस्पताल बनाने की मांग

स्थानीय लोगों ने प्रस्तावित अस्पताल और शेल्टर होम को झिरी शिफ्ट करने की मांग की है। उनका कहना है कि झिरी में निगम के पास पर्याप्त खाली जमीन है और वहां आबादी भी कम है। ऐसे में कुत्तों के अस्पताल और शेल्टर होम के लिए झिरी अधिक उपयुक्त स्थान हो सकता है। लोगों ने निगम से बड़गाईं में अस्पताल निर्माण की योजना पर पुनर्विचार करने और प्रस्तावित स्थल को पार्क या खेल मैदान के रूप में विकसित करने की मांग की है।

मेयर रोशनी खलखो ने कहा कुत्तों के अस्पताल निर्माण को लेकर स्थानीय निवासियों के साथ-साथ पूर्व पार्षद हुस्ना आरा द्वारा भी आपत्ति जतायी गयी है। गुरुवार को निगम बोर्ड की बैठक है। इसमें इस मुद्दे पर अफसरों के साथ विस्तार से चर्चा की जायेगी।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

सरायकेला : खरसावां जिले के चांडिल-मुरी रेलखंड पर झिमरी और हेसालोंग रेलवे स्टेशन के बीच गुरुवार को एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा करारगामा गांव के पास रेलवे अंडरपास के समीप हुआ। मृतक की पहचान नीमडीह थाना क्षेत्र के हाइतिरूल गांव निवासी चैतन सिंह मुंडा उर्फ गुजरु के रूप में हुई है। चैतन तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उसकी मां विधवा हैं। बताया जा रहा हैं कि चैतन बाहर रहकर काम करता था। कुछ दिन पहले ही वह अपने गांव हाइतिरूल वापस आया था। गुरुवार को करारगामा गांव के पास रेलवे अंडरपास के समीप वह ट्रेन की चपेट में आ गया। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी रेलवे पुलिस को दी। इसके बाद नीमडीह थाना पुलिस को भी घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने शुरू की जांचः सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चैतन किस ट्रेन की चपेट में आया और हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है।

मांडर, कांके, चान्हो, रातू और बेड़ो में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

संवाददाता

रांचीः जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को मांडर, कांके, चान्हो, रातू और बेड़ो प्रखंड क्षेत्र में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने जुलूस में शामिल होकर पैगंबर हजरत मुहम्मद के प्रति अकीदत और श्रद्धा व्यक्त की। जुलूस के दौरान क्षेत्र रसूल की आमद मरहबा और सरकार की आमद मरहबा जैसे नारों से गूंजता रहा।

मांडर में अंजुमन फैजाने अहले सुन्नत गोरे की ओर से जुलूस निकाला गया। गोरे गांव से शुरू हुआ जुलूस कनभीठा, नगड़ा, मुड़मा, कंदरी, मांडर और बुड़ाखुखरा होते हुए वापस गांव पहुंचा। दर्जनों वाहनों और बाइक पर सवार लोग धार्मिक झंडों के साथ जुलूस में शामिल हुए। विभिन्न चौक-चौराहों पर जुलूस का स्वागत किया गया। मुड़मा चौक पर नगड़ा मुखिया बहादुर उरांव, कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष शमीम अख्तर, मोमिन कांफ्रेंस के शमीम आजाद और विधायक प्रतिनिधि आबिद अंसारी ने जुलूस का स्वागत किया। मुड़मा और मांडर चौक पर लोगों ने दरूद व सलाम पेश किया। गोरे गांव में देर शाम मिलाद और लंगर का आयोजन किया गया। कांके में मौलाना कारी हाशीम कमाल, मौलाना नौशाद आलम और मो। फुरकान के नेतृत्व में मिल्लत कॉलोनी से जुलूस निकाला गया। जुलूस कांके सीआईपी मजार पहुंचा, जहां नात और सलातो-सलाम पेश किया गया। इसके बाद मोहर्रम मैदान पहुंचकर अन्य

क्षेत्रों के लोग भी जुलूस में शामिल हुए। जुलूस कांके चौक, बाजारटांड़ और चूड़ी टोला होते हुए मिल्लत कॉलोनी में समाप्त हुआ। नगड़ी और पिठोरिया में भी जुलूस निकाला गया।

चान्हो के चोरया में अंजुमन इस्लामिया मुस्लिम कमेटी आजाद मुहल्ला छोटी मस्जिद की ओर से जुलूस निकाला गया। गुटुवा चौक पर जिप सदस्य आशुतोष तिवारी ने जुलूस का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पैगंबर हजरत मुहम्मद ने दुनिया को शांति और भाईचारे का संदेश दिया।

रातू में काठीटांड़ चौक, रातू चट्टी, हाजी चौक, मुरगू और भोंडा टंगरा सहित विभिन्न इलाकों में जुलूस निकाला गया। वहीं बेड़ो के दिघिया, महरू, घाघरा, नरकोपी, बिल्टी, भोगला टोली और मसयातू सहित गांवों में भी जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी मनाया गया। जुलूस में इस्लामी परचम लेकर अकीदतमंद शामिल हुए। जगह-जगह स्वागत कर मिठाइयां बांटी गयीं।

उलमा और वक्ताओं ने पैगंबर हजरत मुहम्मद की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए अमन, मोहब्बत, दया, सौहार्द और भाईचारा मजबूत करने की अपील की। बेड़ो प्रखंड उपप्रमुख मुदस्सिर हक ने कहा कि ईद मिलादुन्नबी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का संदेश देता है।

निखार सबलोक हत्याकांड

हत्याकांड में प्रयुक्त कार बरामद, दो अपराधी के फुटेज भी मिले

रांचीः जमशेदपुर के कारोबारी निखार सबलोक हत्याकांड इन दिनों में सुर्खियों में बना हुआ है। निखार सबलोक की बीते 24 अगस्त को सरायकेला जिले के चांडिल में गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की घटना को अंजाम देकर भाग रहे शूटर ने रांची के मेसरा में आई-10 कार छोड़कर फरार हो गया। सरायकेला पुलिस ने रांची पुलिस के सहयोग से आई-10 कार को बरामद किया है। वहीं मौके से पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में दो अपराधी का फुटेज भी मिला है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस घटना को अंजाम देने के पीछे अखिलेश सिंह गिरोह से जुड़े अपराधियों का कनेक्शन होने की संभावना जताई जा रही है। हाई-प्रोफाइल हत्याकांड का खाका करीब एक सप्ताह पहले हुआ था तैयारः होटल कारोबारी निखार सबलोक की हत्या कोई तात्कालिक घटना नहीं, बल्कि बेहद शातिराना और सुनियोजित साजिश का नतीजा थी। सरायकेला और जमशेदपुर पुलिस की जांच में यह साफ हो गया है कि इस हाई-प्रोफाइल हत्याकांड का खाका करीब एक सप्ताह पहले सरायकेला जिले के चांडिल क्षेत्र में तैयार किया गया था। साजिश को अंजाम देने के लिए पड़ोसी राज्यों (बिहार और बंगाल) से पेशेवर शूटरों को ठेके पर बुलाया गया था।

रांची में डॉक्टर से 5 करोड़ की रंगदारी मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में 68 वर्षीय डॉक्टर से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दीपक कुमार दास (46 वर्ष) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, अशोक नगर रोड नंबर-4 निवासी डॉ दुर्गा चरण सिन्हा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 29 जुलाई से लगातार एक मोबाइल नंबर से उन्हें 5 करोड़ रुपये की रंगदारी देने की मांग की जा रही थी। रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी जा रही थी। शिकायत के आधार पर अरगोड़ा थाना में मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने धमकी और रंगदारी मांगने में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल नंबर के उपयोगकर्ता की पहचान दीपक कुमार दास के रूप में की।

पुलिस ने आरोपी को आईटीआई रोड बस स्टैंड के पास से उसके किराए के मकान से गिरफ्तार किया। आरोपी मूल रूप से लोहरदगा के न्यू बस स्टैंड साइडिंग का रहने वाला बताया गया है और वर्तमान में सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से रंगदारी मांगने में इस्तेमाल किया गया सिम कार्ड बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में वरीय पुलिस उपाधीक्षक हटिया के अलावा अरगोड़ा थाना प्रभारी सतीश कुमार गोराई और पुलिस अवर निरीक्षक सत्यम कुमार शामिल थे।

10 फीट गहरे गड्ढे से मकान पर मंडरा रहा खतरा, बारिश में मकान गिरने की आशंका

मेट्रो रेज

रांची: ईस्ट जेल रोड, थड़पखना स्थित बजरंगी बुक स्टोर के पीछे रहने वाले सुनील कुमार सेन का पक्का मकान इन दिनों खतरे की जद में है। बताया गया है कि मकान से सटी जमीन पर जमीन मालिक द्वारा मकान निर्माण से करीब चार माह पूर्व लगभग 10 फीट गहरा गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया, जिससे सुनील कुमार सेन के मकान की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गड्ढे के कारण मकान की नींव के आसपास की जमीन कमजोर होने की आशंका है। बारिश के मौसम में पानी भरने और मिट्टी खिसकने की स्थिति में मकान को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ गया है। इससे सुनील कुमार सेन और उनके परिवार के लोग भय और दहशत में हैं।

बताया गया कि मामले को

लेकर जमीन मालिक संतोष गुप्ता से शिकायत भी की गई। शिकायत के बाद आनन-फानन में जमीन की ओर सुनील सेन के मकान की तरफ दीवार खड़ी करने का प्रयास किया गया, लेकिन निमार्णाधीन दीवार गिर गई। इससे परिवार की चिंता और बढ़ गई है।

परिवार के लोगों का कहना है कि यदि समय रहते गड्ढे और जमीन की सुरक्षा के लिए उचित इंतजाम नहीं किए गए तो बारिश के दौरान मिट्टी धंसने अथवा मकान को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहेगी। उनका कहना है कि किसी अप्रिय घटना से पहले संबंधित जमीन मालिक और प्रशासन को मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना चाहिए।

सुनील कुमार सेन के परिवार ने प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर स्थिति की जांच की जाए तथा मकान की सुरक्षा के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि किसी तरह की जान-माल की क्षति न हो

बीआईटी मेसरा में झारखंड के विद्यार्थियों के लिए 50 सीट आरक्षण खत्म, नामांकन में बड़ा असर

संवाददाता

रांचीः बीआईटी मेसरा में इस वर्ष झारखंड के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित 50% सीटों का प्रावधान खत्म होने का सीधा असर नामांकन प्रक्रिया पर पड़ा है। सत्र 2026-27 में बीआईटी मेसरा के विभिन्न ब्रांच में कुल मिलाकर झारखंड के लगभग 16% छात्र-छात्राओं को ही सीट मिली है। जोसा और सीसैब स्पेशल राउंड काउंसिलिंग के बाद हुई कुल रिपोर्टिंग में से झारखंड के लगभग 200 छात्र-छात्राओं को सीट मिली है। यह संख्या पिछले साल की तुलना में काफी कम है।

पिछले सत्र में बीआईटी मेसरा में झारखंड के लगभग 60% छात्र-छात्राओं ने नामांकन लिया था। इसमें 50% झारखंड की आरक्षित सीटों के अलावा ऑल इंडिया मेरिट से भी लगभग 10% छात्र-छात्राओं को सीट अलॉट हुई थी। इस तरह लगभग

650 सीटों पर झारखंड के विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था। लेकिन इस सत्र में झारखंड के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित 50% सीट का प्रावधान खत्म होने से इंजीनियरिंग क्षेत्र में करियर बनाने की चाह रखने वाले राज्य के विद्यार्थियों को नुकसान हुआ है।

एमओयू खत्म होने के बाद समाप्त हुआ होम स्टेट कोटाः झारखंड सरकार के साथ हुए एमओयू के तहत बीआईटी मेसरा में 50% सीट झारखंड के विद्यार्थियों के लिए होम स्टेट कोटा के रूप में आरक्षित थी। इन सीटों पर जोसा और सीसैब काउंसिलिंग के माध्यम से नामांकन की प्रक्रिया होती थी। झारखंड सरकार के साथ एमओयू दो साल पहले ही खत्म हो चुका था। इसके बाद एमओयू रिन्यू नहीं होने पर संस्थान ने इस सत्र से होम स्टेट कोटा का प्रावधान ही खत्म कर दिया।

इसके बाद बीआईटी मेसरा की सभी 100 प्रतिशत सीटों पर ऑल इंडिया के तहत नामांकन की प्रक्रिया हुई। इससे झारखंड के विद्यार्थियों को संस्थान में नामांकन लेने के लिए अब देशभर के विद्यार्थियों के साथ कड़ी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ रहा है।

बीटेक और इंटीग्रेटेड एमएससी के 13 विषयों में नामांकनः सत्र 2026-27 में बीटेक और इंटीग्रेटेड एमएससी के 13 विषयों में देश भर के विद्यार्थियों ने नामांकन लिया है। कुल रिपोर्टिंग में से लगभग 200 स्टूडेंट्स झारखंड के हैं। पिछली बार यह संख्या लगभग 650 थी।

झारखंड के बीसी-1 और बीसी-2 कैटेगरी के छात्र-छात्राओं के लिए लगभग 80 सीटें आरक्षित थीं। लेकिन इस सत्र होम स्टेट के तहत सीटें शून्य हो गयीं।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

स्वावलंबन और स्वदेशी आंदोलन ही मंदी से लड़ेगा

आज देश एक अजीब स्थिति में है। विश्व बैंक, आईएमएफ, आरबीआई सब कह रहे हैं भारत दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था है, पर साथ ही कह रहे हैं हमारी ग्रोथ 7.7% से घटकर 6.6% हो जाएगी। तेल 115 डॉलर, रुपया कमजोर, महंगाई 5% के पार। सवाल है कि इस मंदी जैसी धीमी ग्रोथ से कौन लड़ेगा? सरकार? आरबीआई? विदेशी निवेशक? मेरा स्पष्ट मानना है कि इस लड़ाई का असली सिपाही न सरकार है, न बाजार। असली सिपाही है स्वावलंबी श्रमिक और स्वदेशी आंदोलन। यही भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की स्थापना से विचार है और यही आज की जरूरत है। आज की मंदी किसी एक कारण से नहीं आई। अमेरिका में टैरिफ वॉर, मिडिल ईस्ट में युद्ध, तेल महंगा। हम 88% तेल बाहर से लाते हैं, 80% इलेक्ट्रॉनिक सामान बाहर से। मतलब हमारी अर्थव्यवस्था की नब्ज बाहर के हाथ में है। जब बाहर छींक आती है, हमें बुखार आता है। इसका एक ही इलाज है- बाहर पर निर्भरता घटाओ। इसी को स्वदेशी कहते हैं। स्वदेशी का अर्थ विदेशी भगाओ नहीं है। स्वदेशी का अर्थ है- अपनी वस्तु के प्रति आग्रह। दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने हमें सिखाया था- स्वदेशी कोई आर्थिक नारा नहीं, राष्ट्र के स्वाभिमान का मंत्र है। आप 1000 रुपये की विदेशी शर्ट खरीदते हैं। इसमें से 700 रुपये डॉलर में बाहर चला जाता है, 300 रुपये दुकानदार को बचता है। नौकरी बाहर बनी। वही 1000 रुपये की भारतीय शर्ट खरीदते हैं तो 1000 रुपया किसान से कपास, कताई मजदूर, बुनकर, दर्जी, दुकानदार में बंटता है। 5 परिवारों का चूल्हा जलता है। जीडीपी देश में बनती है। आज सरकार इसलिए कह रही है- एक साल सोना खरीदना टालो, विदेश घूमना टालो। क्योंकि सोना और तेल में हमारा सबसे ज्यादा डॉलर बाहर जाता है। डॉलर बाहर जाएगा तो रुपया गिरेगा, रुपया गिरेगा तो तेल महंगा, तेल महंगा तो महंगाई बढ़ेगी और महंगाई की सबसे ज्यादा मार किस पर? श्रमिक पर। संगठित को डीए मिल जाता है, असंगठित, दिहाड़ी, गिग वर्कर को कौन देता है? इसलिए स्वदेशी खरीदना देशभक्ति के साथ-साथ आपके घर का बजट बचाना भी है। रुपया क्यों गिर रहा है? क्योंकि शेयर मार्केट का ल्ड्ड३ टड्डल्लीट- विदेशी फंड आज पैसा लाया, कल युद्ध की खबर सुनकर भाग गया। इसे ऋछ्ठक कहते हैं। सरकार अब रइक के जरिए क्ल्ल्रिल्ल ळ्रस्त्रड्ड१ इड्डल्ला लाने की सोच रही है। ठफक्र से डॉलर में 5 साल के लिए उधार लेना। ये उड्ड’ टड्डल्लीट है, टिकाऊ पैसा। भारत 1998, 2000, 2013 में भी यही कर चुका है। पर मैं पूछता हूं - बाहर के ठफक्र से पहले क्या हम अपने घर के पैसों को स्वावलंबी बना सकते हैं? अगर दिल्ली का हर परिवार महीने का 1000 रुपया भी स्वदेशी सामान पर ज्यादा खर्च करे, विदेशी ब्रांड छोड़ दे तो एक साल में 12 हजार करोड़ रुपया दिल्ली में ही रहेगा। ये किसी डायसपोरा बॉन्ड से बड़ा बॉन्ड है। ये है- स्वदेशी बॉन्ड। 7.7% ग्रोथ में 80 लाख नई नौकरी बनती है, 6.6% में 50 लाख। कंपनी परमानेंट भर्ती रोकेगी, ठेकेदारी बढ़ेगी। इन्क्रीमेंट 10% से 6% पर आएगा। ऐसे में श्रमिक के पास दो रास्ते हैं- नौकरी मांगते रहो या काम देने वाला बनो। भारतीय मजदूर संघ का नारा है- नौकरी मांगने वाला नहीं, काम देने वाला बनो। आज सरकार ने उऋछ्ठटरए स्कीम की लिमिट 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दी है। बिना मकान गिरवी रखे, सिर्फ हुनर पर लोन। अगर हमारा क्ळक पास साथी वेल्डिंग, एश बैटरी, अउ रिपेयर, दो सिलाई मशीन का काम शुरू कर दे तो वो खुद 2 लोगों को रोजगार देगा। यही स्वावलंबन है। एउछत्रऋ कोरोना की इमरजेंसी दवा थी, उऋछ्ठटरए रोज की विटामिन है।

अस्पताल में खौफ

कोई भी अस्पताल बीमार व अशक्त लोगों के जीवन की अंतिम किरण होती है। एक विश्वास का प्रतीक कि वहां से स्वस्थ होकर लौटेंगे। तरह-तरह के रोगों से पीड़ितों का अस्पताल पर भरोसा होता है कि वहां पहुंचकर उनका जीवन सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन यदि किसी अस्पताल में उपचार के लिये गई महिला के साथ जांच के नाम पर दुराचार हो और वीभत्स कृत्य उसे मौत के मुंह में धकेल दे तो इससे ज्यादा व भयावह कुछ नहीं हो सकता। यह घटना लाखों मजबूर-बीमार लोगों तथा महिलाओं के भरोसे को तोड़ती है, जब यह पता चलता है कि वीभत्स घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई है। हरियाणा के पानीपत स्थित अस्पताल के सीटी स्कैन रूम में एक 58 साल की महिला के साथ हुए दुराचार और उसके बाद रोहतक के पीजीआईएमएस में उपचार के दौरान उसकी मौत ने लाखों लोगों के भरोसे को भी तोड़ा है। निस्संदेह, कानून अपना काम करेगा, पुलिस की जांच अपराधी को सख्त दंड दिलाने में मददगार होगी, लेकिन इस घटना ने संस्थागत सुरक्षा इंतजामों की चिंताजनक नाकामी को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि आरोपी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तरह अस्पताल की सीटी स्कैन और एमआरआई यूनिट चलाने वाली एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता था। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह कथित तौर पर सीटी स्कैन टेक्नीशियन का काम कैसे कर रहा था? निस्संदेह, सरकारी अस्पताल के अंदर इस तरह से दायित्वों की भूमिका में बदलाव होना व्यवस्था की ऐसी नाकामियों की तरफ इशारा करता है, जो किसी व्यक्ति के कुकृत्य से कहीं अधिक आगे की बात है। निस्संदेह, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अस्पताल व अन्य सार्वजनिक संस्थानों में देख-रेख, कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों के पालन और जवाबदेही को लेकर विचलित करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा के बुनियादी नियम-कानून एक साथ निरर्थक हो गए हैं। सवाल यह है कि पहले ही रोगों, शारीरिक जीर्णता, मानसिक तनावों से गुजर रहे लोगों की सुरक्षा हेतु क्या कोई कायदे-कानून नहीं हैं? उनकी सुरक्षा महज राम भरोसे है? सरकारी अस्पतालों में मरीजों को कितने धक्के खाने पड़ते हैं और पक्की नौकरी वालों का आमतौर पर मरीजों से व्यवहार कैसा होता है, वह सर्वविदित है। पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें मरीज के साथ स्कैन-रूम में नहीं जाने दिया गया। वहां कोई महिला स्टॉफ मौजूद नहीं थी। दुर्भाग्य से महिला मरीज को ऐसे व्यक्ति के भरोसे छोड़ दिया गया, जिसे वास्तव में वहां खड़े रहने का भी हक नहीं था। ये चिकित्सा प्रक्रिया की कोई मामूली चूक नहीं है। ऐसी खामी में शोषण का खतरा लगातार बना रहेगा। विगत में भी कई ऐसी घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान खींचा, जहां महिलाओं के साथ यौन हिंसा हुई। वर्ष 1973 में मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स अरुणा शानबाग के साथ जानलेवा यौन-हिंसा हुई थी। इसी तरह की कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कालेज की दुखद घटना, जिसमें यौन हिंसा से मेडिकल की छात्रा की मौत हुई थी। विडंबना यह कि घटना का जमकर राजनीतिक दोहन तो होता है, लेकिन लोगों का गुस्सा कम होते ही सुधार के वायदे भी हवा हो जाते हैं। एक बार फिर पानीपत की दुखद घटना ने बताया है कि हमारे नीति-नियंताओं की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। निश्चित रूप से पानीपत में हुई वीभत्स घटना को महज एक अपराध की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस घटना के मद्देनजर मरीजों की सुरक्षा से जुड़े नीतिगत फैसलों में बदलाव लाया जाना चाहिए। ऐसे अस्पताल व सार्वजनिक सेवा केंद्रों से जुड़े, प्रत्येक आउटसोर्स किए गए विकल्पों की समीक्षा की जानी चाहिए।

महिलाएँ लिख रहीं हैं विकास की इबारत

सन 1920 में अमेरिकी संविधान के 19वें संशोधन को लागू किए जाने के बाद ही महिला को पुरूष के समान दर्जा देते हुए उन्हें वोट देने का अधिकार प्रदान किया गया। इसी की याद में 26 अगस्त को महिला समानता दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं को उनके नागरिक अधिकार और वोट देने की कानूनी ताकत मिलने की ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाया जाता है।

भारत में सल्तनत काल से पहले महिलाओं को पुरुषों के समान कई अधिकार प्राप्त थे। वे सभा और समितियों में अपने विचार रखती थीं लेकिन बाद के दौर में महिलाओं की स्थिति कमजोर होती गई और उन्हें धीरे-धीरे पुरुष प्रधान समाज में वस्तु के समान समझा जाने लगा। आजादी के बाद महिला को भी पुरूष के समान अधिकार दिए जा रहे हैं। ऐसा पहले नहीं था क्योंकि महिला को पुरूष के समान दर्जा नहीं देकर उसे केवल दासी के रूप में देखा जाता था।

लोकेश कुमार

सन 1920 में अमेरिकी संविधान के 19वें संशोधन को लागू किए जाने के बाद ही महिला को पुरूष के समान दर्जा देते हुए उन्हें वोट देने का अधिकार प्रदान किया गया। इसी की याद में 26 अगस्त को महिला समानता दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं को उनके नागरिक अधिकार और वोट देने की कानूनी ताकत मिलने की ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाया जाता है। यह उन सभी साहसी महिलाओं और उनके संघर्षों को सम्मान देता है, जिन्होंने दशकों तक समानता की लड़ाई लड़ी। यह दिन हमें यह सोचने को मजबूर करता है कि समाज में महिलाओं को और कौन-से अधिकार मिलने बाकी हैं। यह कार्यस्थल, शिक्षा और राजनीति में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को खत्म करने और आगे की प्रगति के लिए प्रेरित करता है। भारतीय संविधान में 73वां, 74वां संविधान संशोधन करके महिलाओं को पंचायती राज और नगर निकाय में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया। जिससे पंचायत राज और नगर निकाय में महिलाओं को जनप्रतिनिधि होने का मौका मिला। वह पुरूष समाज के सामने महिलाओं का प्रतिनिधित्व होना बहुत मुश्किल है। इसलिए पंचायती राज और नगर निकाय में आरक्षण व्यवस्था महिलाओं के लिए ऐतिहासिक कदम रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। महिला आरक्षण (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के तहत यह कानून लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देता है।

सितंबर, 2023 में ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्न (128वां संविधान संशोधन विधेयक) संसद के दोनों सदनों से ऐतिहासिक बहुमत के साथ पारित कराया गया । यह प्रावधान आगामी परिसीमन और चुनावों की प्रक्रिया के अनुसार लागू होने की दिशा में आगे बढ़ाया गया है। महिलाओं को सशक्त और सुरक्षित बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण कानूनी अधिकार प्रदान किए गए हैं। जिनमें महिलाओं को 10 महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए गए हैं। समान वेतन का अधिकार समान पारिश्रमिक अधिनियम के अनुसार, महिलाओं को पुरुषों के समान काम के लिए समान वेतन पाने का अधिकार प्रदान किया गया है लेकिन आज भी निजी कम्पनियों में महिलाओं को पुरूष से कम ही वेतन दिया जाता है। मातृत्व लाभ का अधिकारः मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत गर्भवती महिलाओं को बच्चे के जन्म से पहले और बाद में 26 सप्ताह तक के सवैतनिक (पेड) अवकाश का भी अधिकार प्रदान किया गया है। कार्यस्थल पर सुरक्षा कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम महिलाओं को कार्यालयों या कार्यस्थलों पर किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न से बचाने के लिए कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रदान की गई है। लेकिन कानून बनने के बाद भी महिलाओं कार्यालयों में यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू हिंसा के खिलाफ अधिकारघरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम महिलाओं को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और मौखिक हिंसा से सुरक्षा प्रदान करता है। घरेलू हिंसा में महिलाओं को शिकार बनाया जाता है। पैतृक सम्पत्ति में अधिकार हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के संशोधन के अनुसार, बेटियों को भी बेटों की तरह पैतृक संपत्ति में समान अधिकार प्रदान किया गया है लेकिन महिलाएं अपना हक मांग लेती हैं तो भाइयों द्वारा उनके सम्मान में कमी कर दी जाती है। मुफ्त कानूनी सहायता महिलाओं को अपनी न्याय की लड़ाई के लिए बिना किसी आर्थिक बाधा के मुफ्त वकील और कानूनी सहायता पाने का अधिकार प्रदान किया गया है। महिलाओं को गिरफ्तारी से जुड़े विशेष संरक्षणः कानून के अनुसार, किसी भी महिला को सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। जीरो एफआईआर दर्ज कराने का अधिकारकोई भी महिला किसी भी पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है, भले घटना किसी अन्य क्षेत्र में क्यों न हुई हो। क्योंकि महिला को यह अधिकार दिया गया है कि जहां उसके साथ घटना घटी है, वह उस थाना क्षेत्र में अधिकार में रिपोर्ट दर्ज कराने से मुक्ति मिल गई है। वहीं, कहीं अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती है।

पहचान गुप्त रखने का अधिकारयौन उत्पीड़न या बलात्कार पीड़ित महिला की पहचान को कानूनी रूप से पूरी तरह गुप्त रखने का अधिकार प्रदान किया गया है। उसका नाम और फोटो मीडिया में प्रकाशित नहीं कर सकते हैं। पुलिस थाने में पूछताछ के लिए नहीं बुलाया जाना आपराधिक प्रक्रिया के तहत पुलिस किसी महिला को पूछताछ के लिए थाने में हाजिर होने के लिए बाध्य नहीं कर सकती, पूछताछ उसके निवास स्थान पर होगी। महिलाओं को समानता के लिए निरंतर संघर्ष अमेरिकी महिलाओं को वोट देने का अधिकार तो मिल गया था लेकिन उन्हें रोजगार और शिक्षा के साथ-साथ अन्य विषयों पर कई तरह की असमानताओं का सामना करना पड़ा। 26 अगस्त, 1970 को राष्ट्रीय महिला संगठन की सह-संस्थापक, कार्यकर्ता बेट्टी फ्रीडन ने समानता के लिए देशभर में महिलाओं के समूह बनाकर हड़ताल को अंजाम दिया। उस समय, महिलाओं की समानता हड़ताल संयुक्त राज्य अमेरिका में लैंगिक समानता के लिए सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन माना जाता है। देशभर के नब्बे से अधिक शहरों में एक लाख से अधिक महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विरोध प्रदर्शन के साथ ही इन समूहों ने कई ऐसी घटनाओं का अंजाम दिया। जिससे महिलाओं के अधिकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में कामयाबी मिली। न्यूयॉर्क शहर में फिफ्थ एवेन्यू पर लगभग पचास हजार महिलाओं ने एक साथ मार्च निकाला। महिलाओं के एक समूह ने न्यूयॉर्क में स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी पर चढ़कर उसके शिखर पर बैनर भी लटका दिए। उन बैनरों पर लिखा था, ह्वविश्व की महिलाएं एकजुट होंह्न और ह्वसमानता के लिए 26 अगस्त को मार्च करें।ह्व महिलाओं के एक समूह ने अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज की घड़ी रोकने पर मजबूर कर दिया, जबकि दूसरे समूह ने बाहर ह्वहम अब और बकवास बर्दाश्त नहीं करेंगेह्न लिखे बैनरों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। ये ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं हैं जो महिलाओं को अपनी आजादी दिलाने में कामयाब नजर आई। इसी दिन, महिलाओं के एक समूह ने महिला स्कूल प्रशासकों के लिए समान वेतन पाने के लिए न्यूयॉर्क सिटी बोर्ड ऑफ एजुकेशन के खिलाफ

ओणमः अन्न से प्राण और प्राण से परमात्मा तक की आध्यात्मिक यात्रा

यह सूत्र तैत्तिरीय उपनिषद के पंचकोश चिंतन से लेकर ऋग्वेद में वर्णित विष्णु के त्रिविक्रम स्वरूप और श्रीमद्भागवत में राजा बलि के आत्मसमर्पण तक जाता है। इस दृष्टि से ओणम अन्न की समृद्धि का उत्सव होने के साथ जीवनदायिनी प्राणशक्ति के प्रति कृतज्ञता और उस विराट सत्ता के प्रति समर्पण का पर्व भी बन जाता है, जो समस्त सृष्टि में व्याप्त है।

ओणम को सामान्यतः केरलम के प्रमुख फसल पर्व और राजा महाबली की स्मृति से जुड़ा उत्सव माना जाता है। घरों में पुक्कलम सजते हैं, ओणसद्या बनती है, नौका प्रतियोगिताएं होती हैं और लोकजीवन उल्लास से भर उठता है। केरलम पर्यटन भी ओणम को फसल उत्सव तथा महाबली और वामन की परंपरा से संबंधित पर्व के रूप में वर्णित करता है, किंतु भारतीय दर्शन की दृष्टि से ओणम को समझने पर इसके भीतर प्रकृति, अन्न, प्राण, चेतना, समर्पण और परम सत्ता के बीच संबंध का अत्यंत गहरा सूत्र दिखाई देता है। यह सूत्र तैत्तिरीय उपनिषद के पंचकोश चिंतन से लेकर ऋग्वेद में वर्णित विष्णु के त्रिविक्रम स्वरूप और श्रीमद्भागवत में राजा बलि के आत्मसमर्पण तक जाता है। इस दृष्टि से ओणम

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अन्न की समृद्धि का उत्सव होने के साथ जीवनदायिनी प्राणशक्ति के प्रति कृतज्ञता और उस विराट सत्ता के प्रति समर्पण का पर्व भी बन जाता है, जो समस्त सृष्टि में व्याप्त है। तैत्तिरीय उपनिषद मानव अस्तित्व को पांच स्तरों में समझाता है। ये हैं अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमय कोष। यह चिंतन मनुष्य को उसके स्थूल शरीर से लेकर चेतना के सूक्ष्मतम स्तर तक ले जाता है। तैत्तिरीय उपनिषद की ब्रह्मानंदवल्ली में कहा गया है- ह्लअन्नाद्वै प्रजाः प्रजायन्ते। अथो अन्नेनैव जीवन्ति। अथैनदपि यन्त्यन्ततः।ह्व (तैत्तिरीय उपनिषद, ब्रह्मानंदवल्ली, 2.1.1) अर्थ स्पष्ट है कि प्राणी अन्न से उत्पन्न होते हैं, अन्न से जीवन धारण करते हैं और अंततः उसी प्रकृति में लौट जाते हैं। तैत्तिरीय उपनिषद की भृगुवल्ली में इसी चिंतन को और आगे ले जाकर कहा गया है- ह्लअन्नं ब्रह्मेति व्यजानात्ह्व (तैत्तिरीय उपनिषद, भृगुवल्ली, 3.2.1) यहां अन्न को ब्रह्म के चिंतन का विषय बनाया गया है। साधक की ब्रह्मज्ञान की यात्रा में अन्न एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। शरीर अन्न से बना है, शरीर के माध्यम से जीवन का अनुभव होता है और इसी जीवन से चेतना की उच्चतर खोज प्रारंभ होती है। वस्तुतः यहीं ओणम का पहला आध्यात्मिक अर्थ सामने आता है। खेत की फसल पृथ्वी, जल, सूर्य, ऋतु, बीज और मानव श्रम की संयुक्त परिणति है, इसलिए नई फसल का स्वागत प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संस्कार है। तैत्तिरीय उपनिषद की भृगुवल्ली अन्न के बाद प्राण को ब्रह्म की खोज में अगला सोपान बनाती है। वहां कहा गया है, ह्लप्राणो ब्रह्मेति व्यजानात्। प्राणाद्ध्येव खल्विमानि भूतानि जायन्ते। प्राणेन जातानि जीवन्ति।ह्व (तैत्तिरीय उपनिषद, भृगुवल्ली, 3.3.1)। यहां दर्शन एक महत्वपूर्ण दिशा ग्रहण करता है। अन्न शरीर का आधार है, प्राण उस शरीर को जीवन देता है। अन्नमय कोष के भीतर प्राणमय कोष की अनुभूति होती है, इसीलिए अन्न और प्राण को अलग-अलग खानों में बांटकर देखने के बजाय भारतीय चिंतन उन्हें जीवन की निरंतर प्रक्रिया के दो जुड़े हुए स्तरों के रूप में देखता है। अब इसे ओणम पर्व के साथ जोड़कर देखें, तब ध्यान में आता है कि खेत में पैदा हुआ अन्न प्रकृति की संचित ऊर्जा है। मनुष्य जब उसे ग्रहण करता है, तो वही ऊर्जा शरीर और प्राण की गतिविधियों को संचालित करती है। इस अर्थ में फसल का उत्सव जीवन के उत्सव में बदल जाता है।

ओणम के दूसरे महत्वपूर्ण पक्ष को समझने के लिए विष्णु के वैदिक स्वरूप पर ध्यान देना आवश्यक है। ऋग्वेद के विष्णु सूक्त में उनके त्रिविक्रम रूप का उल्लेख मिलता है- ह्लइदं विष्णुर्वि चक्रमे त्रेधा नि दधे पदम्।ह्व (ऋग्वेद, मंडल 1, सूक्त 22, मंत्र 17)। अगले मंत्र में विष्णु के तीन पगों का उल्लेख है- ह्लत्रीणि पदा वि चक्रमे विष्णुर्गोपा अदाभ्यः।ह्व (ऋग्वेद, 1.22.18)। वस्तुतः ऋग्वैदिक विष्णु के ये तीन पग आगे चलकर वामन और त्रिविक्रम की पुराण परंपरा में अत्यंत प्रभावशाली प्रतीक बनते हैं। सायण भाष्य में विष्णु के तीन पगों को पृथ्वी, अंतरिक्ष और द्युलोक से संबंधित व्याख्या भी प्राप्त होती है। अतः वामन कथा को सिर्फ राजा और एक ब्राह्मण बालक के बीच भूमि के दान की कथा मान लेना भारी भूल होगी, क्योंकि इस वक्त जिस तरह का नैरेटिव चलाने का प्रयास हो रहा है, उसमें यह भी एक चिंता का विषय है! वस्तुतः यह दृष्टिकोण उसके वैदिक संदर्भ को सीमित कर देता है, जबकि इसके भीतर विराट सत्ता की सर्वव्यापकता का भाव जुड़ा है। श्रीमद्भागवत महापुराण के आठवें स्कंध में वामन भगवान और राजा बलि का प्रसंग विस्तार से आता है। बलि अत्यंत शक्तिशाली और दानी राजा थे। वामन ने उनसे तीन पग भूमि मांगी। बलि ने वचन दे दिया। वामन ने विराट रूप धारण किया और दो पगों में समस्त उपलब्ध क्षेत्र को नाप लिया। अब तीसरे पग के लिए स्थान शेष नहीं था। यही कथा का मोक्ष क्षण है, जिसमें देह की मुक्ति है, भीतर का मोह ब्रह्म से समा जाता है। एकल सत्ता, परासत्ता में विलुप्त हो जाती है, क्षण, विलुप्त हो चुका हुआ है, व्यक्ति, विराट में समा जाता है, वह उसी का स्वरूप बन जाता है। वस्तुतः इस कथा में बलि ने अपना सिर प्रस्तुत करते हुए कहा- ह्लपदं तृतीयं कुरु शीर्ष्णि मे निजम्।ह्व (श्रीमद्भागवत महापुराण, स्कंध 8, अध्याय 22, श्लोक 2) यह वाक्य भारतीय आध्यात्मिक चिंतन में आत्मसमर्पण का अत्यंत प्रभावशाली प्रतीक बन गया। बलि के पास धन था, भूमि थी, सत्ता थी, प्रतिष्ठा थी। दो पगों में सब चला गया। तीसरे पग के लिए उन्होंने अपना सिर दे दिया। अर्थात बाहरी संपत्ति के बाद स्वयं का अहंकार भी समर्पित कर दिया। यहां ह्यबलिह्न और उसके भाव को व्यापक अर्थों में समझने की आवश्यकता है। सिर्फ दान के अर्थ में जो इस घटनाक्रम को देखेंगे वह शायद इस कथा से बहुत कुछ प्राप्त न कर पाएं। कथा का आध्यात्मिक पक्ष यह है कि मनुष्य जब अपनी संपत्ति को अपना अंतिम सत्य मानता है, तब वामन उसे विराट सत्ता का बोध कराते हैं। पृथ्वी, आकाश और समस्त लोक जिस सत्ता के भीतर हैं, उनके सामने व्यक्तिगत स्वामित्व का अहंकार सीमित हो जाता है। बलि का मस्तक आगे बढ़ाना इसी बोध का प्रतीक है। यह पराजय से अधिक आत्मस्वीकृति है। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके पास ऐसा कुछ नहीं है जो उस विराट सत्ता से बाहर हो। इसी कारण वामन द्वारा तीसरा चरण बलि के सिर पर रखना केवल दंड की घटना नहीं है। भागवत परंपरा में इसके बाद बलि को सुतल लोक का अधिपति बनाए जाने और भगवान द्वारा उनके द्वारपाल बनने की कथा आती है। समर्पण यहां अनुग्रह का द्वार बनता है। अब ओणम के मूल स्वरूप को समझना आसान हो जाता है। फसल अन्न का प्रतीक है। अन्न शरीर का आधार है। शरीर में प्राण जीवन की गति पैदा करता है। प्राण और प्रकृति के पीछे जो विराट व्यवस्था है, भारतीय चिंतन उसे परम सत्ता से जोड़कर देखता है,

जहां होती है खंडित शिवलिंग की पूजा

सनातन धर्म में खंडित मूर्ति की पूजा-अर्चना नहीं की जाती है। शास्त्रों में वर्णन है कि किसी भी स्थिति में चटक चुकी, टूटी या खंडित मूर्ति घर के पूजा स्थल अथवा मंदिर में नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि खंडित मूर्ति की पूजा ही नहीं, बल्कि उसे रखना भी अत्यंत हानिकर एवं अशुभ माना जाता है। लेकिन देश में एक ऐसा अद्भुत और अनोखा मंदिर भी विद्यमान है, जहां भक्तों द्वारा खंडित शिवलिंग की पूजा की जाती है। देश का वह इकलौता मंदिर झारखंड के ह्यमहादेवशाल धामह्न में स्थित है। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के अंतर्गत चक्रधरपुर के गोइलकेरा प्रखंड के बड़ैला गांव में आस्था, विश्वास और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यहां स्थित

ह्यमहादेवशाल धामह्न एक ऐसा शिव मंदिर (देवालय) है, जहां लगभग 150 वर्षों से खंडित शिवलिंग की पूजा विधि-विधान से की जाती रही है। ऐतिहासिक तथ्यों और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, लगभग 19वीं सदी के मध्य में ह्यबंगाल-नागपुर रेलवेह्न की ओर से कलकत्ता से मुंबई के बीच रेलवे लाइन बिछाने हेतु खुदाई का कार्य चल रहा था। उसी दौरान, गोइलकेरा के बड़ैला गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में रेलवे लाइन के लिए जमीन की खुदाई कर रहे श्रमिकों को जमीन के भीतर एक शिवलिंग दिखाई दिया। भूमि के गर्भ में छिपे हुए शिवलिंग को देख श्रमिक आत्मविभोर हो उठे। उन्होंने तुरंत खुदाई का कार्य रोक दिया, क्योंकि ब्रिटिश अधिकारियों की तरह उनके लिए वह जमीन के भीतर मिला कोई साधारण पत्थर मात्र नहीं, बल्कि भगवान शिव का एक अद्भुत स्वरूप ह्यशिवलिंगह्न था।

शिवलिंग दिखाई देने के बाद जब श्रमिकों ने भूमि की खुदाई रोक दी और आगे कार्य करने से साफ मना कर दिया, तब वहीं तैनात ब्रिटिश इंजीनियर रॉबर्ट हेनरी गुस्से में आ गया। उसने भारतीय श्रमिकों की बात को अंधविश्वास मानकर उनकी खिल्ली उड़ाई और स्वयं ही शिवलिंग को रास्ते से हटाने के लिए आगे बढ़ गया। उसने बिना सोचे-समझे शिवलिंग पर फावड़े से क्रूरतापूर्वक प्रहार करना आरंभ कर दिया। ऐसा बताया जाता है कि हेनरी के बेरहम फावड़े के प्रहार से शिवलिंग दो भागों में विभाजित हो गया।

ऐतिहासिक तथ्यों और लोक मान्यताओं के अनुसार, उसी दिन शाम को खुदाई वाली जगह से वापस लौटते समय रास्ते में ही हेनरी की मृत्यु हो गई। दूसरी ओर, शिवलिंग के दो भागों में विभाजित होने तथा ब्रिटिश इंजीनियर की अचानक मृत्यु जैसी घटनाओं के कारण दूर-दूर तक ग्रामीणों में भय का वातावरण बन गया था। लोग भगवान से अपने कल्याण के लिए प्रार्थनाएं करने लगे थे। कालांतर में अंग्रेज अधिकारियों को भी निमार्णाधीन रेलवे लाइन का रास्ता बदलने का निर्णय लेना पड़ा। दरअसल, उक्त रेलवे लाइन के निर्माण को लेकर भारी विरोध होने लगा था। अंग्रेज अधिकारियों ने लोगों की धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध जोर-जबरदस्ती करने के बजाय रेलवे लाइन का मार्ग बदल दिया। इसी बदलाव के कारण रेलवे लाइन को दो सुरंगों से होकर गुजारना पड़ा। खुदाई के दौरान जहां पर शिवलिंग प्रकट हुआ था, वहां आज ह्यमहादेवशाल धामह्न नामक भव्य शिव मंदिर विराजमान है। वहीं, महादेवशाल धाम में स्थित खंडित शिवलिंग का दूसरा भाग वहां से लगभग दो किलोमीटर दूर रतनबुरू पहाड़ी पर माता पाउडी नामक देवी की प्रतिमा के पास स्थापित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रेलवे लाइन की खुदाई के दौरान फावड़े के प्रहार से शिवलिंग का एक छोटा हिस्सा टूटकर उड़ता हुआ रतनबुरू पहाड़ी पर स्थित माता पाउडी की प्रतिमा के बिल्कुल निकट आ गिरा था। बाद में, श्रद्धालुओं ने इसे एक शुभ संकेत मानकर भगवान भोलेनाथ शिवशंकर के रूप में उस खंडित हिस्से को माता पाउडी की प्रतिमा के पास ही विधि-विधान से स्थापित कर दिया और पूजा-अर्चना आरंभ कर दी।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

कैमरे में दिखे व्यक्ति से पूछताछ के बाद गिरफ्तार

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के इकरा कॉलोनी स्थित मजहर टोला में करीब 15 लाख रुपये के जेवरात और 13 हजार रुपये नकद चोरी के मामले में पुलिस ने मजहर टोला निवासी मोहम्मद शकील उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उसे सीसीटीवी फुटेज में मिले हुलिये के आधार पर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था। लंबे समय तक पूछताछ के बाद पुलिस ने कांड संख्या 150/26 के तहत उसकी गिरफ्तारी की।पुलिस के अनुसार, अजहर अहसन के घर में चोरी की घटना दिन के करीब 11:30 बजे हुई थी। चोर पीछे के रास्ते से घर में दाखिल हुए और दरवाजा तोड़कर जेवरात व नकदी लेकर फरार हो गये। घटना के समय घर के ऊपरी हिस्से में आमतौर पर कोई मौजूद नहीं रहता था। ऐसे में पुलिस यह भी जांच कर रही है कि चोरों को घर की दिनचर्या और गतिविधियों की पहले से जानकारी थी या नहीं।जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक लाल शर्ट पहने किशोर की गतिविधियां भी संदिग्ध नजर आई हैं। पुलिस उसकी पहचान और भूमिका की जानकारी जुटा रही है उसकी तलाश की जा रही है। इसके अलावा फुटेज में सामने आये अन्य संदिग्धों की गतिविधियों को भी खंगाला जा रहा हैएफएसएल टीम घटनास्थल से फिंगरप्रिंट समेत अन्य साक्ष्य जुटा चुकी है। पुलिस आसपास के इलाके की मोबाइल डंप रिपोर्ट भी खंगाल रही है, ताकि घटना के समय सक्रिय मोबाइल नंबरों का संदिग्धों से मिलान किया जा सके। चोरी गये जेवरात और नकदी की बरामदगी के लिए भी कार्रवाई जारी है।थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शकील उर्फ मुन्ना को पूछताछ के लिए लाया गया था। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में तकनीकी और भौतिक दोनों स्तरों पर जांच जारी है।

बूथ स्तर तक झारखंड विरोधी विधेयक बिल को बताने का कार्य करें : अरुण सिंह

साहिबगंज : सदर प्रखंड अंतर्गत प्रखंड कमेटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह के आवासीय परिसर में हुई। जिसमें जिला अध्यक्ष अरुण सिंह जी केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम जी केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा जी शामिल हुए। झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह जी ने कहा कि खनिज संशोधन विधेयक बिल से झारखंड की मंईयां सम्मान योजना अबुआ आवास योजना सहित जन कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से भाजपा ने यह बिल पास किया है। सभी कार्यकर्ता से अपील है बूथ स्तर तक इस झारखंड विरोधी विधेयक बिल को बताने का कार्य करें। ओर 7 सितंबर को धरना प्रदर्शन मे आने हेतु आग्रह करेंगे।बैठक में केंद्रीय समिति सदस्य संजीव शामू हेंब्रम जी,केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा जी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने झारखंड के विकास को रोकने के लिए एमएमडीआर संशोधन विधेयक बिल पास किया है। इसका झारखंड मुक्ति मोर्चा विरोध करती है। आगामी सात सितंबर को झामुमो साहिबगंज जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेगी। इसी तत्वाधान में सभी प्रखंडों में इसकी संपूर्ण तैयारी व्यापक रूप से की जा रही है। आप सभी जन जागरण अभियान करते हुए सभी बूथ स्तर तक आम जनता को इस काला कानून के बारे बतलाएंगे ओर सात सितंबर को धरना प्रदर्शन आने के लिए आमंत्रित करेंगे ।मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह, प्रखंड सचिव समेत अन्य दर्जनों कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

सेवानिवृत्ति के 17 वर्ष बाद भी बकाए के भुगतान के लिए कार्यालयों का लगा रहे हैं चक्कर

साहिबगंज: नगर परिषद के सेवानिवृत्त कर टैक्स दरोगा संग्राम सिंह सेवानिवृत्ति के 17 वर्ष बाद भी अपने बकाए के भुगतान के लिए कार्यालयों का चक्कर लगा रहे हैं।उन्होंने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी एवं अध्यक्ष को आवेदन देकर अर्जित अवकाश और महंगाई भत्ते की बकाया राशि का शीघ्र भुगतान करने की गुहार लगाई है।संग्राम सिंह के अनुसार,वे 30 जून 2009 को सेवानिवृत्त हुए थे।सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें केवल ग्रेच्युटी की राशि का भुगतान किया गया।जबकि अर्जित अवकाश एवं महंगाई भत्ते की राशि अब तक लंबित है।उन्होंने बताया कि वर्तमान में वह और उनकी पत्नी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और आर्थिक परेशानी के कारण समुचित इलाज कराने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने बताया कि बकाए के भुगतान के लिए वर्ष 2011 से लगातार प्रयास कर रहे हैं।स्थानीय स्तर से लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय तक गुहार लगाने के बाद वर्ष 2014 में झारखंड हाईकोर्ट की शरण ली।वर्ष 2022 में विभागीय सचिव को आवेदन देने तथा वर्ष 2023 में विधिक राय के बाद साहिबगंज कोषागार पदाधिकारी से पत्राचार के बावजूद भुगतान नहीं हो सका।संग्राम सिंह ने आरटीआई के माध्यम से भी जानकारी मांगी,लेकिन उनका कहना है कि अब तक ठोस जवाब नहीं मिला।उन्होंने प्रशासन से मानवीय आधार पर मामले पर विचार कर बकाया राशि का शीघ्र भुगतान करने की मांग की है ताकि अपना और पत्नी का इलाज करा सकें।

शो को लेकर आयोजकों ने सभी तैयारियां पूरी कर ली आज उद्घाटन

साहिबगंज:शहर के आजाद नगर स्थित स्वंयवर बैंक्वेट हॉल में गुरुवार से प्रसिद्ध जादूगर एमके पंडित द्वारा भव्य जादू शो का आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम का उद्घाटन नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा। शो को लेकर आयोजकों ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।जिसकी जानकारी कार्यक्रम प्रबंधक एल के मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया।उन्होंने बताया कि जादूगर एमके पंडित द्वारा प्रतिदिन दो समय जादू का प्रदर्शन किया जाएगा।पहला शो शाम 4 बजे तथा दूसरा शो शाम 7 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम में जादू की विभिन्न कलाओं के साथ हास्य एवं मनोरंजन से जुड़े कई आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।आयोजकों के अनुसार,यह शो केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है।बल्कि इसके माध्यम से समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक बुराइयों और कुरीतियों के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश भी दिया जाएगा।

परियोजना निदेशक आईटीडीए ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा कर्मियों पर जताई नाराजगी

दवा स्टॉक स्वच्छता चिकित्सकों की ड्यूटी व्यवस्था दुरुस्त करने के सख्त निर्देश

साहिबगंज: उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी के निदेर्शानुसार परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास ने आज संध्या सदर अस्पताल साहिबगंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं मरीजों को प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं स्वच्छता व्यवस्था तथा अस्पताल की समग्र कार्यप्रणाली की जमीनी स्थिति का जायजा लेना था।औचक निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक ने अस्पताल के विभिन्न वार्ड, ओपीडी, आपातकालीन सेवा दवा वितरण केंद्र, जांच केंद्र व अन्य प्रमुख चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों से उपलब्ध सेवाओं की जानकारी ली तथा मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे संवाद कर इलाज दवा जांच एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया।

दवा स्टॉक में एक माह से अपडेट नहीं तत्काल रजिस्टर दुरुस्त करने का निर्देश

निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि विगत एक माह से दवा के स्टॉक का समुचित मेंटेनेंस नहीं किया जा रहा था। इस पर परियोजना निदेशक ने गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मियों को दवा का स्टॉक रजिस्टर अविलंब अपडेट करने तथा दवाओं की उपलब्धता एवं वितरण का नियमित रिकॉर्ड संधारित करने का सख्त निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दवा स्टॉक की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

स्वच्छता व्यवस्था में मिली कमी सफाई को लेकर सख्त निर्देश

निरीक्षण के दौरान अस्पताल के बाथरूम में गंदगी का अंबार पाया गया। वहीं कुछ वार्डों में भी साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। कई बेड पर गंदी बेडशीट पाई गई जबकि कुछ बेड पर बेडशीट उपलब्ध ही नहीं थी।इस पर परियोजना निदेशक ने संबंधित सफाई कर्मियों को कड़ी चेतावनी देते हुए बाथरूम व सभी वार्डों की नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक मरीज के बेड पर प्रतिदिन साफ एवं स्वच्छ बेडशीट उपलब्ध कराई जाए तथा आवश्यकता के अनुसार बेडशीट तत्काल बदली जाए।उन्होंने कहा कि अस्पताल में इलाज के साथ-साथ मरीजों को स्वच्छ सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना भी स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

हाल में क्रय किए गए उपकरणों की उपयोगिता की भी हुई समीक्षा

परियोजना निदेशक ने अस्पताल में हाल के दिनों में क्रय किए गए विभिन्न चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता एवं उपयोग की स्थिति की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कुछ उपकरणों के उपयोग में आ रही समस्याओं की जानकारी मिली।उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को उपकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि अस्पताल में उपलब्ध सभी उपयोगी उपकरण कार्यशील अवस्था में रहें और मरीजों के हित में उनका अधिकतम उपयोग हो। यदि किसी उपकरण में तकनीकी समस्या है तो उसका शीघ्र निराकरण कराने को कहा गया।

स्त्री रोग विशेषज्ञ की ड्यूटी व्यवस्था को लेकर मरीजों ने दिया फीडबैक

निरीक्षण के दौरान कुछ मरीजों एवं उनके परिजनों द्वारा स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सक की ड्यूटी एवं उपलब्धता को लेकर भी फीडबैक दिया गया। मरीजों ने बताया कि चिकित्सक की ड्यूटी के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाती है तथा निर्धारित समय पर चिकित्सक की उपलब्धता को लेकर परेशानी होती है।

इस पर परियोजना निदेशक ने संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सक का ड्यूटी रोस्टर प्रतिदिन अस्पताल के सूचना पट पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए, ताकि मरीजों एवं उनके परिजनों को चिकित्सक की उपलब्धता एवं ड्यूटी समय की जानकारी आसानी से मिल सके।उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया कि निर्धारित ड्यूटी अवधि में अस्पताल में उपस्थित रहकर मरीजों को समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता परियोजना निदेशक ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं आमजनों से सीधे जुड़ी हुई हैं और सरकारी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाए तथा उन्हें आवश्यक दवा जांच एवं उपचार की सुविधा समय पर उपलब्ध हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि अस्पताल की व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही उन्होंने अस्पताल की स्वच्छता, दवा स्टॉक, बेडशीट, चिकित्सकों की ड्यूटी उपकरणों की कार्यशीलता व मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया।निरीक्षण के अंत में परियोजना निदेशक ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अस्पताल की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार लाने तथा मरीजों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बेहतर स्वास्थ्य सेवा -स्वच्छ अस्पताल संतुष्ट मरीज की भावना के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया।

बौद्ध धर्म विधि से परित्राण पाठ कार्यक्रम आयोजित कर समाज को दिया नया संदेश

संवाददाता

साहिबगंज : बोरिया प्रखंड क्षेत्र के टुंगरी टोला,कचरा प्लांट पथ में बौद्ध धर्म विधि से परित्राण पाठ कार्यक्रम का आयोजन विभीषण पासवान व सुनीता कुमारी के द्वारा किया गया।कार्यक्रम बौद्ध धम्म विधि से परित्राण पाठ कार्यक्रम भिक्खू सुनीत पाल थेरो के संघ भंते विनय रक्षित,भंते चंद्रकृति उपासक जय नारायण बौद्ध के द्वारा परित्राण पाठ, बुद्ध,धम्म,संघ वंदना, एवं मंगलपाठ किया गया।इससे पूर्व तथागत गौतम बुद्ध,बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पर दीपप्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया।कार्यक्रम में उमेश बौद्ध,चंद्रहास यादव,लक्ष्मण रविदास,बलदेव उरांव , फूल कुमार रजक,रणधीर प्रसाद चौरसिया,माखन यादव ने अपना अपना विचार रखा।वक्ताओं द्वारा कहा गया कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर बचपन से ही जाति भेदभाव छुआछूत से त्रस्त होकर उन्होंने 1927 में घोषणा किया कि मैं हिंदू धर्म में जन्म जरूर लिया हूं यह मेरी बस की बात नहीं थी लेकिन मैं हिंदू धर्म रहकर नहीं मारूंगा यह मेरी बस की बात है और उन्होंने 14 अक्टूबर 1956 को दीक्षाभूमि नागपुर में 10 लाख लोगों के साथ हिंदू धर्म को त्याग कर बौद्ध धम्म को अपनाया।उनका कल्पना था कि भारत बुद्ध धम्म मय हो।इसी को देखते हुए आज के राजनीतिक परिदृश्य में एक ओर जहां संविधान और अंबेडकरवादी विचारधारा है वहीं दूसरी ओर रामराज लाने के वाला विचारधारा चल रहा है।कार्यक्रम में विनोद मांडला,सात्यामा,सुमाना सौरभ,मिथिलेश कुमार,साधना कुमारी,नीलम देवी,मंजू देवी,रेणु,चंदा कुमारी,बेबी,नीतू राज,राजेश रंजन, रजनी शशि,गुनगुन,रामस्वरूप यादव, मंटू पासवान,अनिल पासवान, बीरबल हाजरा,छोटू रविदास, पशुपति नाथ मंडल के अलावा कई लोग शामिल हुए।

नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का विधायक ने किया उद्घाटन

चौपारण : सिंघरावां पंचायत के ग्राम टीटही में नवनिर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह उप स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुदूरवर्ती आबादी तक बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के चालू होने से स्थानीय ग्रामीणों को प्राथमिक इलाज के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा।कार्यक्रम के दौरान एएनएम, स्वास्थ्य सहिया तथा आसपास की महिला मंडलों की दीदियों द्वारा शिव चर्चा और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। भक्तिमय माहौल के बीच वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नवनिर्मित भवन का गृह प्रवेश कराया गया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि सहदेव प्रसाद यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र रजक, स्थानीय मुखिया संतोष सिंह, पंचायत समिति सदस्य विजय मधेसिया, भाजपा नेता देवल यादव, राजेंद्र चंद्रवंशी, राजेश रवानी, प्रकाश चंद्रवंशी, दिनेश यादव, राजेश यादव, संजू साव और बबलू साव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खनिज संपदा पर सियासत तेज झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा मोर्चा ने फुंका आंदोलन का विगुल

हजारीबाग : झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा मोर्चा ने राज्य के खनिज संसाधनों और एमएमडीआर अधिनियम के प्रावधानों को लेकर आक्रामक तेवर अपना लिए हैं। जिला सर्किट हाउस में आयोजित गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में युवा मोर्चा ने झारखंड के जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा पर यहां की जनता के सर्वोपरि अधिकारों की रक्षा करने का हुंकार भरा है। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष गौरव पटेल ने की और संचालन जिला सचिव सुनील कुमार ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष गौरव पटेल ने दो टूक कहा कि झारखंड अपनी बेमिसाल खनिज संपदा के लिए जाना जाता है, लेकिन इसके प्राकृतिक संसाधनों का दोहन राज्य की कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन संसाधनों का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर झारखंड के विकास, स्थानीय युवाओं के रोजगार सृजन और मूलवासियों के कल्याण के लिए ही होना चाहिए।

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु

जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र मेहता ने केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य से बंपर खनिज निकलने के बावजूद यहां के राजस्व अधिकारों को सीमित करना पूरी तरह अनुचित है। यह केवल वित्तीय हक का मामला नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर झारखंड के अधिकारों और देश की संघीय ढांचे की मूल भावना पर हमला है।

झामुमो युवा मोर्चा ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान करते हुए आगामी 7 सितंबर को एक बड़े प्रखंड स्तरीय धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम की घोषणा की है। इस आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए युवा मोर्चा के कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर जाकर आम जनता को एमएमडीआर अधिनियम से झारखंड को होने वाले संभावित नुकसान के बारे में जागरूक करेंगे। जिला सचिव सुनील कुमार ने चेतावनी दी कि केंद्र सरकार का कोई भी ऐसा फैसला जिससे झारखंड के हितों का हनन होता हो, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

लाभुकों को उनके लाभ दिलाने की दिशा में किया गया मार्गदर्शन

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण -नालसा एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, साहिबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में बरहेट प्रखंड अंतर्गत संथाली उत्तर पंचायत में ङ्कनालसा की योजनाओं को जमीनी स्तर तक लागू करने के लिए मेगा ड्राइव, प्रथम चरणङ्ख के तहत विशेष विधिक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।यह विशेष अभियान 25 अगस्त 2026 को प्रारंभ हुआ जो 23 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में नालसा की विभिन्न योजनाओं एवं विधिक सेवाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विधिक सहायता सेवाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, साहिबगंज अखिल कुमार द्वारा विशेष प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विश्वनाथ भगत को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अभियान का व्यापक एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।निदेर्शों के अनुपालन में बरहेट के संथाली उत्तर पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नालसा की विभिन्न योजनाओं व सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लाभुकों को उनका लाभ दिलाने की दिशा में भी आवश्यक मार्गदर्शन किया जा रहा है।

अभियान को गांव-गांव एवं घर-घर तक पहुंचाने में पैरा-लीगल वॉलंटियर्स अर्थात न्याय मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।न्याय मित्र ग्रामीणों से संपर्क कर उन्हें उनके विधिक अधिकारों एवं उपलब्ध विधिक सेवाओं की जानकारी दे रहे हैं। जरूरतमंद व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से मिलने वाली सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य मेगा ड्राइव के प्रथम चरण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता को और अधिक मजबूत करना है।ताकि कोई भी पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति जानकारी या संसाधनों के अभाव में अपने अधिकारों और विधिक सहायता से वंचित न रहे। इस अभियान के माध्यम से कानूनी जानकारी हर व्यक्ति तक और न्याय हर जरूरतमंद तक के उद्देश्य को साकार करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

काराबाओ कप के तीसरे दौर में लिवरपूल-टोटेनहम की टक्कर, मैनचेस्टर यूनाइटेड के सामने ब्राइटन

एजेंसी

लंदन : काराबाओ कप 2026-27 के तीसरे दौर में लिवरपूल का सामना टोटेनहम हॉटस्पर से होगा। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड की भिड़ंत ब्राइटन एंड होव एल्बियन से होगी। तीसरे दौर में प्रीमियर लीग की छह टीमें आपस में भिड़ सकती हैं। यूरोपीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाली इंग्लैंड की नौ टीमें–आर्सेनल, मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर सिटी, मैनचेस्टर यूनाइटेड, एस्टन विला, लिवरपूल, ब्राइटन एंड होव एल्बियन, सुंदरलैंड, बोर्नमाउथ और क्रिस्टल पैलेस–तीसरे दौर से प्रतियोगिता में उतरेंगी। मैनचेस्टर सिटी के सामने नॉर्विच सिटी की चुनौती होगी, जबकि पिछले साल की उपविजेता आर्सेनल का सामना इप्सविच टाउन से होगा। एस्टन विला को कोवेंट्री सिटी और सुंदरलैंड को हल सिटी से खेलना है। चेल्सी का मुकाबला लीड्स यूनाइटेड से हो सकता है, लेकिन इसके लिए उसे गुरुवार को ल्यूटन टाउन को हराना होगा। न्यूकैसल यूनाइटेड का सामना मिलवॉल से और एवर्टन का मुकाबला वूल्व्स से होगा।

यूईएफए प्रतियोगिताओं के मुकाबलों से टकराव से बचने के लिए तीसरे दौर के मैच सात से 14 सितंबर के सप्ताह में खेले जाएंगे।

काराबाओ कप तीसरे दौर का ड्रॉ

- क्रिस्टल पैलेस बनाम मिडिल्सब्रो
- मैनचेस्टर यूनाइटेड बनाम ब्राइटन
- मैनचेस्टर सिटी बनाम नॉर्विच सिटी
- सुंदरलैंड बनाम हल सिटी
- इप्सविच टाउन बनाम आर्सेनल
- कोवेंट्री सिटी बनाम एस्टन विला
- बोर्नमाउथ बनाम लिंकन सिटी
- लिवरपूल बनाम टोटेनहम हॉटस्पर
- चेल्सी या ल्यूटन टाउन बनाम लीड्स यूनाइटेड
- मिलवॉल बनाम न्यूकैसल यूनाइटेड
- फ्लीटवुड टाउन बनाम शेफील्ड यूनाइटेड

एमबाप्पे की हैट्रिक से रियल मैड्रिड की शानदार जीत, सोसिएदाद को 4-1 से रौंदा

एजेंसी

मैड्रिड : किलियन एमबाप्पे की शानदार हैट्रिक के दम पर रियल मैड्रिड ने ला लीगा 2026-27 में बुधवार को रियल सोसिएदाद को 4-1 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला कोच जोस मोरिन्हो की सैंटियागो बनार्बेयू में वापसी का पहला घरेलू मैच भी था। मोरिन्हो की टीम ने इससे पहले एस्पान्योल के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की थी, लेकिन बनार्बेयू में सोसिएदाद के खिलाफ टीम ने कहीं अधिक प्रभावशाली प्रदर्शन किया। एमबाप्पे ने मैच के पहले हाफ के समाप्त होने से पांच मिनट पहले फेडेरिको वाल्वेर्दे के पास पर शानदार बाएं पैर का शॉट लगाकर रियल को बढ़त दिलाई।हालांकि, सोसिएदाद ने पहले हाफ की समाप्ति से पहले बराबरी कर ली। लुका सुचिच ने डिफ्लेक्शन का फायदा उठाते हुए गेंद को गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ के पार पहुंचा दिया।

दूसरे हाफ में जूड बेलिंगहम ने रियल मैड्रिड की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल में असिस्ट किया। पहले बेलिंगहम ने एमबाप्पे के साथ शानदार तालमेल बनाते हुए उन्हें गेंद उपलब्ध कराई, जिसे एमबाप्पे ने गोल में बदलकर रियल को फिर बढ़त दिला दी। इसके बाद बेलिंगहम ने शानदार ताकत और जुझारूपन दिखाते हुए गेंद को गोल लाइन के करीब से बचाया और विनिसियस जूनियर के लिए पास दिया। विनिसियस ने कोई गलती नहीं की और रियल की बढ़त 3-1 कर दी।

एमबाप्पे ने इसके बाद विनिसियस के पास पर गोलकीपर के ऊपर से शानदार चिप लगाकर अपनी हैट्रिक पूरी की और रियल मैड्रिड की जीत पक्की कर दी।

इस जीत के साथ रियल मैड्रिड छह अंकों के साथ ला लीगा तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। सेविला और रियल बेटिस के भी छह अंक हैं। रियल मैड्रिड का अगला मुकाबला रविवार को मलागा से होगा।

2 शादी टूटने के बाद इस एक्ट्रेस ने श्री कृष्ण को समर्पित किया जीवन, बोलीं-

कान्हा ने मेरे दिल की हर कमी को पूरा कर दिया

टीवी के मशहूर शोज नीरजा एक नई पहचान, ज्योति और वीरा में अपनी अदाकरी का जलवा दिखा चुकीं एक्ट्रेस स्नेहा वाघ इन दिनों अध्यात्म की तरफ बढ़ रही हैं। निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद स्नेहा ने अब अपना जीवन श्री कृष्ण की भक्ति को समर्पित करने का फैसला किया है। उनकी दो शादियां हुईं लेकिन दोनों रिश्ते ज्यादा समय तक नहीं चल सके। हालांकि स्नेहा अभी भी एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हैं और फ़िलहाल टीवी शो महादेव एंड सन्स का हिस्सा हैं लेकिन काम के साथ-साथ उनका काफी समय अब मुंबई से दूर मथुरा के छटिकारा और वृंदावन में गुजरता है। हाल ही में वह शो के प्रमोशन के सिलसिले में लखनऊ पहुंची, जहां उन्होंने अपनी आध्यात्मिक यात्रा और जिंदगी में आए बदलावों के बारे में खुलकर बात की। स्नेहा ने बताया कि श्री कृष्ण की शरण में आने के बाद उनका नजरिया और जिंदगी दोनों काफी बदल गए हैं। अब उन्हें अपनी खुशियों के लिए किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भर रहने की जरुरत महसूस नहीं होती। आध्यात्म और कृष्ण भक्ति ने उन्हें भीतर से मजबूत बनाया है और अब स्वःह खुद के साथ ज्यादा सुकून और संतुष्टि महसूस करती हैं।

इस वजह से चुना भक्ति का रास्ता

इसी के साथ स्नेहा ने बताया कि जब मेरा हर किसी से विश्वास उठ गया तो मैंने भक्ति का रास्ता अपना लिया और इस रास्ते पर चलकर बहुत सुकून और खुशी मिली।

3 दिन में बदल गई एक्ट्रेस की जिंदगी

अपने इस सफर के बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि जब वो पहली बार वृंदावन गईं थीं तो उन्हें एक मंदिर से बुलावा आया। शुरुआत में स्नेहा वाघ को लगा था कि शायद यह सब किसी तरह का धोखा हो सकता है लेकिन मथुरा-वृन्दावन की उस आध्यात्मिक यात्रा ने उनकी सोच पूरी तरह से बदल दी। उन्होंने बताया कि वहां महज तीन दिन बिताने के बाद उन्हें अपनी जिंदगी में बड़ा बदलाव महसूस होने लगा। कुछ समय वहां रहने और श्री कृष्ण से जुड़ने के बाद उन्हें ऐसा सुकून मिला, जो उन्हें पहले कभी महसूस नहीं हुआ था। उन्हें लगा कि मुंबई की भागदौड़ की जिंदगी अब उनके लिए उतनी मायने नहीं रखती।

इसके बाद एक्ट्रेस ने बताया कि श्री कृष्ण की भक्ति में वह निस्वार्थ और बिना शर्त प्यार मिला, जिसकी तलाश उन्हें लंबे समय से थी। उन्होंने कहा कि अब उन्हें किसी इंसानी रिश्ते की जरुरत महसूस नहीं होती क्योंकि कृष्ण भक्ति ने उनके भीतर के खालीपन को भर दिया है। आज वह खुद को बेहद संतुष्ट और मानसिक रूप से शांत महसूस करती हैं और अपनी इस भक्ति की राह को वह छोड़ना नहीं चाहतीं।

कियारा-तारा संग बोल्ड सीन्स पर यश ने तोड़ी चुप्पी

यश की मचअवेटेड फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' रिलीज से पहले लगातार विवादों में घिरी हुई है। फिल्म के टीजर, ट्रेलर और गानों में महिलाओं के चित्रण को लेकर सवाल उठाए गए हैं। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि फिल्म में महिलाओं को एक खास नजरिए से पेश किया गया है। अब इन आलोचनाओं के बीच यश ने खुलकर फिल्म का बचाव किया है और कहा है कि 'टॉक्सिक' में महिलाओं की अपनी आवाज भी है।

महिलाओं के चित्रण पर क्या बोले यश?

हैदराबाद में फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान यश से 'टॉक्सिक' में महिलाओं के चित्रण को लेकर सवाल किया गया। अभिनेता ने फिल्म का बचाव करते हुए निर्देशक गीतू मोहनदास के विजन पर भरोसा जताया। यश ने संकेत दिया कि फिल्म को केवल कुछ प्रमोशनल क्लिप्स या सतही दृश्यों के आधार पर जज नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, कहानी को पूरी तरह देखने के बाद ही इसके किरदारों और उनके नजरिए को समझा जा सकेगा।

'महिलाओं की भी एक आवाज है'

यश ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि फिल्म में महिलाओं के किरदार सिर्फ पुरुष किरदारों के इर्द-गिर्द घूमने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भी अपनी आवाज है और फिल्म में उस आवाज को जगह दी गई है। यश का यह बयान ऐसे समय आया है, जब 'टॉक्सिक' के प्रमोशनल कंटेंट को लेकर सोशल मीडिया पर बहस चल रही है। इससे पहले भी फिल्म के इंटीमेट और बोल्ड सीन्स को लेकर सवाल उठ चुके हैं।

गीतू मोहनदास के डायरेक्शन पर यश को पूरा भरोसा

'टॉक्सिक' की सबसे खास बात यह है कि फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। यश लगातार उनके विजन का समर्थन करते नजर आए हैं। इससे पहले भी अभिनेता ने फिल्म में दिखाई जा रही 'फीमेल गेज' को लेकर बात की थी और इसे एक अलग तथा नया नजरिया बताया था।

यश के मुताबिक, एक बड़े स्तर की गैंगस्टर एक्शन फिल्म को महिला निर्देशक का विजन मिलना अपने आप में खास बात है। यही वजह है कि वह गीतू के निर्देशन को लेकर काफी उत्साहित हैं।

तुम पर बहुत गर्व है, रुक्मिणीः यश

अपनी टॉक्सिक को-स्टार रुक्मिणी वसंत पर जमकर लुटाई तारीफ

हैदराबाद हैदराबाद में हुए टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के प्री-रिलीज़ इवेंट में रुक्मिणी वसंत के लिए एक बेहद स्पेशल और प्राउड मोमेंट देखने को मिला, जब उनके को-स्टार रॉकिंग स्टार यश ने उनकी जमकर तारीफ की और उनके शानदार जर्नी को सेलिब्रेट किया। रुक्मिणी के बारे में बात करते हुए यश ने कहा, आई एम सो हैप्पी। आई एम सो प्राउड दैट शी हैज़ बीन पार्ट ऑफ सच बिग फिल्म्स। शी इज़ पार्ट ऑफ वंडरफुल प्रोजेक्ट्स। आई एम प्राउड दैट शी इज़ अ कन्नड़ गर्ल एंड अ कन्नड़ गर्ल इज़ मेकिंग अ मार्क इन एवरी इंडस्ट्री। वेरी प्राउड ऑफ यू, रुक्मिणी। यू आर अ फैब्युलस एक्टर, अ वेरी नॉलेजबल वन, विच आई रियलाइज़ आफ्टर वर्किंग विद यू। टॉक्सिक में मेलिसा का किरदार निभा रहीं रुक्मिणी फिल्म की दुनिया में अपनी फियर्स और कंपेलिंग प्रेज़ेंस लेकर आने के लिए तैयार हैं। इवेंट में रॉकिंग स्टार यश के दिल से निकले ये शब्द रुक्मिणी के लिए एक बेहद प्राउड मोमेंट रहे और यह उनकी मेहनत, शानदार वर्क और अलग-अलग इंडस्ट्रीज में लगातार बढ़ती उनकी जर्नी को मिल रही अप्रिशिएशन की खूबसूरत झलक भी है। हैदराबाद के टॉक्सिक प्री-रिलीज़ इवेंट में जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिला, जहां 45,000+ फैंस फिल्म और उसके स्टार्स को सेलिब्रेट करने के लिए एक साथ जुटे। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में रॉकिंग स्टार यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाज़ में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पहली सैलरी थी महज 2000

आज सिनेमा जगत पर करती हैं राज

एक्ट्रेस ने एक मैग्जीन के लिए फोटोशूट करवाया था, जिसके लिए उन्हें 2000 से 3000 रुपये मिले. वह उनकी पहली सैलरी भी थी. फिर एक दिन उनकी फोटो पर डायरेक्टर की नजर पड़ी और उन्हें सिनेमा की दुनिया में पहला ब्रेक मिला. राजनीकांत के साथ फिल्म 'चंद्रमुखी' ने उन्हें पॉपुलर बनाया. आज वे सिनेमा जगत पर राज करती हैं. वे उन चुनिंदा एक्ट्रेसेज में से एक हैं, जिन्हें सुपरस्टार का दर्जा मिला है. आज एक्ट्रेस सिनेमा जगत की बड़ी स्टार हैं, मगर जब उन्होंने करियर शुरू किया था, तब उनकी सैलरी दो से तीन हजार थी. वे फिलहाल अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'हाई' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं. उन्होंने अपने शुरुआती दिनों को याद किया और बताया कि उनकी पहली सैलरी सिर्फ 2000 से 3000 रुपये थी. सिनेमा में आने से पहले एक्ट्रेस ने मॉडल के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था. दिलचस्प बात यह है कि उन्हीं मॉडलिंग असाइनमेंट में से एक ने उनके एक्टिंग करियर को शुरू करने में अहम भूमिका निभाई. हम लेडी सुपरस्टार नयनतारा की बात कर रहे हैं. पर्ल माने से बातचीत के दौरान नयनतारा से उनकी पहली नौकरी और रकम के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि यह एक मैगजीन से जुड़ा था. नयनतारा ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मैग्जीन के कवर शूट के लिए था. मुझे लगता है कि मुझे एक फैशन प्रोग्राम के लिए बुलाया गया था.' जब नयनतारा से उनकी पहली सैलरी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि उन्हें उस काम के लिए लगभग 2000 से 3000 रुपये मिले थे. हालांकि, नयनतारा के लिए मैग्जीन वाला काम उससे कहीं ज्यादा अहम साबित हुआ, जितना उन्होंने उस समय सोचा भी नहीं था. नयनतारा का सिनेमा का सफर तब शुरू हुआ, जब फिल्ममेकर सत्यन अंथिकाड ने मैगजीन में उनकी तस्वीर देखी.

'उधार चुकाना है...

वायरल हुई अभिनेता की पोस्ट

रितेश देशमुख और जेनेलिया एक पार्टी में शामिल होने के लिए रविवार को मुंबई के रेस्त्रां में नजर आए। जब दोनों वहां से बाहर निकले तो पैपराजी ने घेर लिया। इसी बीच ऐसी घटना घटी कि उन्हें एक शख्स ने कुछ पैसे उधार दिए। इस उधार को वह चुकाना चाहते हैं। उस शख्स का नंबर सोशल मीडिया पर मांग रहे हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला?

किसने और क्यों दिए रितेश को पैसे?

जब पैपराजी रितेश और जेनेलिया की फोटो ले रहे थे तो कुछ छोटे बच्चे पैसे मांगने लगे। रितेश के पास उस वक्त पैसे नहीं थे। ऐसे में एक पैपराजी ने उनकी तरफ से बच्चों को पैसे दे दिए। इस बात के लिए रितेश ने उसे शुक्रिया कहा। अब उसी पैपराजी की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर साझा करते हुए, वह उसका नंबर मांग रहे हैं।

रितेश को चुकाना है उधार

अपनी पोस्ट में रितेश लिखते हैं, 'भाऊ धन्यवाद। प्लीज मुझे उसका नंबर दिलाने में मदद करो। उसने मेरे लिए पैसे दिए थे। मुझे उसका उधार चुकाना है।'

रितेश चाहते हैं कि वह पैपराजी को उसके पैसे

कृति सेनन के रक्षा बंधन ऐड पर मचा बवाल!

जमकर भड़क रहे लोग

कृति सेनन के ताजा विज्ञापन पर बवाल मचा हुआ है। यह ऐड एक ज्वेलरी ब्रांड का है, जिसकी थीम रक्षा बंधन है। लेकिन कृति इसमें ब्रालेट पहने दिख रही हैं। इसके अलावा वे कुत्ते को राखी बांधती भी नज़र आ रही हैं। कृति सेनन एक ज्वेलरी ब्रांड के रक्षा बंधन विज्ञापन को लेकर सोशल मीडिया पर विवादों के घेरे में हैं। विज्ञापन में कृति ऑफ-व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप स्कर्ट के साथ ट्रेडिशनल लुक में नजर आती हैं। विज्ञापन में वह अपने पालतू कुत्ते को भी राखी बांधती दिखती हैं। इसी कॉन्सेप्ट और आउटफिट को लेकर कुछ यूजर्स ने सवाल उठाए। कई लोगों ने इसे भारतीय त्योहार की गरिमा से जोड़ते हुए विज्ञापन की आलोचना की, जबकि कुछ ने ब्रांड को भी निशाने पर लिया।

रक्षा बंधन विज्ञापन में कृति सेनन के लुक पर क्यों मचा बवाल?

रक्षा बंधन से जुड़े ज्वेलरी विज्ञापन में कृति सेनन ऑफ-व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज के साथ केप और ड्रेप स्कर्ट पहने दिखाई देती हैं। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को यह स्टाइलिंग पसंद नहीं आई और उन्होंने इसे त्योहार से जुड़े विज्ञापन के लिए अनुचित बताया। एक यूजर ने इसे 'सिक' और 'बेहद शर्मनाक' तक कहा। इसके बाद विज्ञापन के कॉन्सेप्ट और कृति के लुक को लेकर ऑनलाइन बहस तेज हो गई।

कुत्ते को राखी बांधने वाले सीन पर भी क्यों उठे सवाल?

विज्ञापन में कृति सेनन एक कुत्ते को राखी बांधती नजर आती हैं। वीडियो में कुत्ता भौंकता दिखाई देता है और कृति उसे परिवार का हिस्सा मानते हुए राखी बांधती हैं। इस सीन पर भी कुछ यूजर्स ने आपत्ति जताई। आलोचकों ने सवाल किया कि रक्षा बंधन जैसे पारंपरिक त्योहार पर विज्ञापन में इस तरह के कॉन्सेप्ट और प्रस्तुति को क्यों चुना गया।

राजनाथ सिंह आज जबलपुर में 450 करोड़ के ओवरहॉलिंग प्रोजेक्ट का करेंगे भूमि पूजन

एजेंसी

जबलपुर : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आज भारतीय सैन्य शक्ति को सुदृढ़ करने और देश में रक्षा उत्पादन को नई दिशा देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश के जबलपुर को बड़ी सौगात देंगे। वे व्हीकल फैक्टरी जबलपुर में आयोजित समारोह में 450 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले टी-टैंक ओवरहॉलिंग प्रोजेक्ट का भूमि पूजन करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी एमएस उइके ने बताया कि इस ओवरहॉलिंग परियोजना से जबलपुर एक बार फिर देश के रक्षा मानचित्र पर अपनी सामरिक और औद्योगिक क्षमता सिद्ध करेगा। रक्षा मंत्रालय के इस प्रोजेक्ट से न केवल रक्षा उपकरणों की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, बल्कि महाकौशल क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के

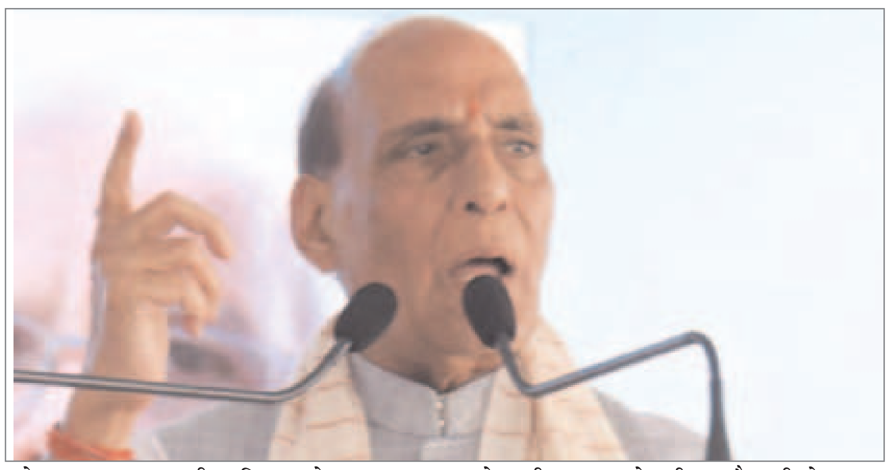

अनेक नए अवसर भी सृजित होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पूर्वान्ह 11.55 बजे गोवा से वायुयान द्वारा जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डुमना एयरपोर्ट पर रक्षामंत्री सिंह का स्वागत एवं अगवानी करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 12:20 बजे व्हीकल फैक्टरी पहुचेंगे। रक्षामंत्री दोपहर 12:35 बजे व्हीकल फैक्टरी में टी-सीरीज टैंक के ओव्हरहॉल प्रोजेक्ट के भूमिपूजन समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। रक्षामंत्री सिंह कार्यक्रम के बाद दोपहर 2:35 बजे व्हीकल फैक्टरी से प्रस्थान कर दोपहर 2:45 बजे साउथ सिविल लाइन पहुंचेंगे। वे यहां पार्टी नेताओं की बैठक में शामिल होंने के बाद दोपहर 3:15 बजे डुमना एयरपोर्ट प्रस्थान करेंगे और दोपहर 3.20 बजे वायुयान से नई दिल्ली रवाना होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का परंपराओं और ज्ञान को आगे बढ़ाने का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर ऋग्वेद के एक महत्वपूर्ण श्लोक को सुभाषितम् के रूप में साझा किया। उन्होंने इसके माध्यम से परंपराओं और ज्ञान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

वह सुभाषितम् है, "तन्तुं तन्वन्रजसो भानुमन्विहि ज्योतिष्मतः पथो रक्ष धिया कृतान्। अनुल्बणं वयत जोगुवामपो मनुर्भव जनया दैव्यं जनम्॥" यह श्लोक ऋग्वेद के दशम मंडल का 53वां सूक्त और उसका छठा मंत्र है। प्रधानमंत्री की पोस्ट में इसका अर्थ बताया गया है, "मनुष्य को अपनी परंपराओं और ज्ञान को आगे बढ़ाते हुए श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए।" एक्स पोस्ट के अनुसार, "मनुष्य को बुद्धि से निर्मित न्यायपूर्ण और प्रकाशमय मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। श्रेष्ठ जनों के सदाचार को जीवन में अपना कर निरंतर विचारशील रहना चाहिए और दिव्य गुणों से संपन्न जनों का निर्माण करना चाहिए।"

रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर रेलवे प्रशासन चलाई ट्रेन

बागपत : दिल्ली-बागपत-शामली रेल मार्ग पर यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की गई है। यह कदम खास तौर पर उन लोगों को राहत देने के लिए उठाया गया है, जो त्योहार के मौके पर अपने घर जाने के लिए ट्रेन में भारी भीड़ का सामना करते हैं। रेलवे स्टेशन अधीक्षक किशोर गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि यह स्पेशल ट्रेन 27 और 28 अगस्त को संचालित की जाएगी और दोनों दिन दो-दो फेरे लगाएगी। ट्रेन पूरी तरह से अनारक्षित (जनरल) होगी, जिससे यात्रियों को बिना अग्रिम आरक्षण के तत्काल टिकट लेकर यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। इससे बागपत, खेकड़ा और बड़ौत क्षेत्र के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि ट्रेन संख्या 04408 शामली-दिल्ली शाहदरा स्पेशल सुबह 8:30 बजे शामली से रवाना होकर करीब 9:29 बजे खेकड़ा पहुंचेगी। यहां एक मिनट रुकने के बाद ट्रेन 10:40 बजे शाहदरा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04407 शाहदरा से सुबह 11:40 बजे चलेगी और 12:16 बजे खेकड़ा पहुंचकर बागपत रोड, बड़ौत और कांधला होते हुए दोपहर करीब 2:05 बजे शामली पहुंचेगी। इस 16 कोच की स्पेशल ट्रेन का ठहराव कांधला, कासिमपुर खेड़ी, बड़ौत, बागपत रोड, खेकड़ा, लोनी और गोकुलपुर सबोली जैसे प्रमुख स्टेशनों पर होगा। रेलवे प्रशासन का मानना है कि इस विशेष व्यवस्था से त्योहार के दौरान ट्रेनों में होने वाली भीड़ काफी हद तक नियंत्रित की जा सकेगी और यात्रियों को सुरक्षित व सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा।

मानसरोवर यात्रा पर गए दुगार्पुर के दंपत्ति बाढ़ में लापता

पश्चिम बर्दवान : मानसरोवर दर्शन के लिए नेपाल के रास्ते यात्रा पर निकले दुगार्पुर के बामुनाड़ा निवासी अरिंदम और मौसमी गंगोपाध्याय के लापता होने की खबर है। परिवार और पड़ोसियों के मुताबिक, नेपाल में आई अचानक बाढ़ की आपदा के बाद से दोनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। कई बार फोन किया गया, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका है। परिजनों के अनुसार, बुधवार रात पुलिस गंगोपाध्याय परिवार के घर पहुंची और परिवार के सदस्यों तथा पड़ोसियों से बातचीत की। पुलिस ने कहा कि अगर किसी भी तरह दंपति संपर्क हो तो तत्काल पुलिस को इसकी जानकारी दी जाए। पड़ोसी गौतम अधिकारी ने बताया कि मौसमी और अरिंदम एक ट्रैवल एजेंसी के जरिए नेपाल होते हुए मानसरोवर जाने के लिए निकले थे। करीब दो दिन पहले ही उनसे फोन पर बात हुई थी। लेकिन बुधवार की आपदा के बाद जब उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई तो फोन पर संपर्क नहीं हो पाया। वहीं, तारकेश्वर के रहने वाले स्नेहाशिस दत्त भी नेपाल में फंसे हुए बताए जा रहे हैं। वह 32 लोगों के एक पर्यटक दल के साथ मानसरोवर यात्रा पर निकले थे। यह दल 21 अगस्त को रवाना हुआ था और 22 अगस्त को काठमांडू पहुंचा था। इसके बाद नेपाल के रास्ते चीन में प्रवेश कर मानसरोवर जाने की योजना थी। स्नेहाशीष के परिवार के अनुसार, बुधवार को फोन पर उनसे बात हुई थी। उस समय उन्होंने बताया था कि वे नेपाल-चीन सीमा के पास थे। लेकिन अचानक आई बाढ़ के बाद से उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि स्नेहाशीष के दल के अन्य 30 सदस्य कोलकाता के रहने वाले हैं, जबकि एक अन्य सदस्य टूर मैनेजर जयंत सान्याल हैं। बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ के तेज पानी ने नेपाल के रसुवा और नुवाकोट जिलों के कुछ हिस्सों में भारी तबाही मचाई। नेपाल पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह तक 162 शव बरामद किए जा चुके थे और बड़ी संख्या में लोग अभी भी लापता हैं। लापता लोगों की संख्या करीब 598 बताई जा रही है, जिनमें कम से कम 133 भारतीय नागरिक होने की जानकारी सरकारी सूत्रों से सामने आई है। पश्चिम बंगाल सरकार ने नेपाल में फंसे लोगों और उनके परिजनों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर (033-2479 3311 और 9147890181।) जारी किए हैं।

महंगाई के खिलाफ इंदौर कांग्रेस का 22 ब्लॉकों में प्रदर्शन

शक्कर-पेट्रोल-गैस और बिजली के दाम पर सरकार को घेरेगी

एजेंसी

इंदौर : बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर इंदौर शहर कांग्रेस आज गुरुवार को शहर के सभी 22 ब्लॉकों में प्रदर्शन करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर होने वाले इस आंदोलन में कांग्रेस कार्यकर्ता शक्कर, पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण, घरेलू गैस सिलेंडर और बिजली की बढ़ी दरों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराएंगे। प्रदर्शन सुबह 10 बजे से विभिन्न स्थानों पर होंगे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि आंदोलन को लेकर सभी 22 ब्लॉकों में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। शहर कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में प्रदर्शन में शामिल होंगे। कांग्रेस का कहना है कि शक्कर के दाम बढ़ने से आम परिवारों का रसोई बजट प्रभावित हुआ है। चौकसे ने दावा किया कि शक्कर की कीमत में 30 से 35 रुपए प्रति किलो तक की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के सीजन में इसका असर और अधिक दिखाई देगा। रक्षाबंधन के बाद गणेश चतुर्थी, श्राद्ध पक्ष, नवरात्रि, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहार आने वाले हैं, ऐसे में शक्कर की बढ़ी कीमत सीधे

परिवारों के बजट पर असर डालेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने विरोध से बचने के लिए कीमतों में मामूली कमी की है, लेकिन इससे आम उपभोक्ताओं को पर्याप्त राहत नहीं मिली है। कांग्रेस पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को लेकर भी सरकार से सवाल करेगी। चौकसे ने आरोप लगाया कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों की माइलेज और रखरखाव पर असर पड़ रहा है। उनका कहना है कि रोजाना वाहन से आजीविका कमाने वाले लोगों पर ईंधन और वाहन रखरखाव की बढ़ती लागत का अतिरिक्त भार पड़ रहा है। बिजली की बढ़ी दरों और उपभोक्ताओं पर बढ़ते बिल के मुद्दे को भी प्रदर्शन में प्रमुखता से उठाया जाएगा। चौकसे ने आरोप लगाया कि बिजली चोरी से होने वाले नुकसान का भार ईमानदारी से बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते बिजली बिलों से आम परिवारों का बजट प्रभावित हो रहा है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत को लेकर भी कांग्रेस सरकार को घेरने की तैयारी में है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि रसोई गैस की बढ़ती कीमतों का सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ रहा है। पार्टी इन सभी मुद्दों को लेकर सरकार से राहत की मांग करेगी। कांग्रेस के अनुसार सुबह 10 बजे शहर के 22 स्थानों पर प्रदर्शन होंगे। इनमें चंदन नगर पेट्रोल पंप, बाणगंगा पेट्रोल पंप के पास, स्कीम नंबर 51 पुलिस चौकी के पास, एरोड्रम 60 फीट रोड स्थित एमपी पब्लिक स्कूल के पास, मंगल नगर पेट्रोल पंप-आम वाला चौराहा, परदेशीपुरा चौराहा, स्कीम नंबर 54 पावर हाउस-कस्तूरी सभागृह, रोबोट चौराहा, स्कीम नंबर 78 टेंपो स्टैंड, छावनी चौराहा, हरसिद्धि मंदिर रोड, राजबाड़ा पुलिस चौकी, माणिकबाग रोड पुलिस चौकी, गंगवाल बस स्टैंड-लाबरिया भेरू, महू नाका, फूटी कोठी चौराहा, तिलक नगर बैंक के पास, गीताभवन, विकास नगर थाना एमआईजी, मुसाखेड़ी पुराना टेंपो स्टैंड चौराहा, सिलिकॉन सिटी गेट और तेजाजी नगर चौराहा शामिल हैं।

समुद्र में 28 दिन से भटक रहे आंध्र प्रदेश के आठ मछुआरों को ट्रॉलर सहित सुरक्षित बचाया गया

एजेंसी

पूर्व मेदिनीपुर : बंगाल की खाड़ी में लगातार 28 दिनों तक भटकने के बाद आंध्र प्रदेश के एक मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर से आठ मछुआरों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। समुद्र के बीच ट्रॉलर में गंभीर यांत्रिक खराबी आने के बाद उसका मुख्य इंजन बंद हो गया था। संपर्क व्यवस्था और दिशा बताने वाला यंत्र भी काम नहीं कर रहा था। इसके बाद ट्रॉलर समुद्र की तेज धार और हवाओं के बीच नियंत्रणहीन होकर बहता रहा। मछुआरों के अनुसार, आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र से करीब एक महीने पहले ट्रॉलर गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए निकला था। समुद्र के बीच पहुंचने के बाद अचानक उसका मुख्य इंजन खराब हो गया। इसके साथ ही संचार व्यवस्था भी बाधित हो गई। दिशा बताने वाला उपकरण काम नहीं करने के कारण मछुआरों के सामने वापस लौटने का रास्ता भी नहीं था। सीमित मात्रा में उपलब्ध पानी और खाद्य सामग्री के सहारे आठों मछुआरे करीब चार सप्ताह तक समुद्र में जिंदगी और मौत के बीच झूलते रहे। इस दौरान ट्रॉलर समुद्र की तेज धार और हवा के कारण लगातार बहता रहा और

उनका बाहरी दुनिया से संपर्क पूरी तरह टूट गया। बुधवार सुबह दीघा मोहना से मछली पकड़ने निकले स्थानीय मछुआरों ने समुद्र में एक पीले रंग का ट्रॉलर बहते हुए देखा। करीब जाने पर पता चला कि उसका इंजन खराब है और उसमें आंध्र प्रदेश के मछुआरे फंसे हुए हैं। स्थानीय मछुआरों ने तत्काल इसकी सूचना दीघा मोहना, मत्स्य विभाग और संबंधित अधिकारियों को दी। इसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। बचाव दल और संबंधित अधिकारियों की दिन भर की कोशिश के बाद समुद्र से ट्रॉलर को खींचकर दीघा मोहना लाया गया। काली गंगाह्व ट्रॉलर के मालिक अरविंद बर्मन ने अनुसार, ह्वसुबह सात बजे समुद्र में जाल डालने के समय बहता हुआ ट्रॉलर दिखाई दिया। इसकी जानकारी मिलने के बाद मत्स्य विभाग और एसोसिएशन को सूचना दी गई इसके बाद बचाव कार्य शुरू किया गया।ह्व दीघा फिश ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रणब कर ने भी बताया कि ट्रॉलर के मिलने के बाद तत्काल तटरक्षक बल और तटीय पुलिस को इसकी सूचना दी गई। गुरुवार सुबह तक मिली जानकारी के अनुसार, सभी आठ मछुआरे सुरक्षित हैं और उन्हें दीघा लाया जा चुका है। कांथी मत्स्य विभाग के सहायक मत्स्य निदेशक (समुद्री) सुमन साहा ने कहा, ह्वखराब ट्रॉलर की जानकारी मिलने के बाद उसे बचाने के लिए तटरक्षक बल और तटीय थाने को सूचना दी गई। बचाए गए सातों मछुआरों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। वे सभी स्वस्थ हैं। करीब 28 दिनों तक गहरे समुद्र में फंसे रहने के बाद आठों मछुआरों के सुरक्षित लौटने से उनके परिवारों और मछुआरा समुदाय में राहत है।

प्रयागराज समेत उप्र के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश के आसार

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश में मानसून सक्रिय बना हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ केंद्र की ओर से 27 अगस्त की सुबह जारी जिला स्तरीय तात्कालिक पूर्वानुमान के अनुसार प्रयागराज समेत कई जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, कुछ जिलों में गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ मध्यम से तेज बारिश का अनुमान जताया गया है। यह पूर्वानुमान सुबह 8:11 बजे से 11:11 बजे तक के लिए जारी किया गया है। पूर्वानुमान के अनुसार प्रयागराज, मिजार्पुर, संत रविदास नगर, वाराणसी, जौनपुर, प्रतापगढ़, चित्रकूट, बांदा, कौशांबी, हमीरपुर, फतेहपुर, जालौन, रायबरेली, अमेठी, कानपुर नगर, ललितपुर, झांसी, इटावा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, हाथरस, मथुरा, कासगंज, सुल्तानपुर, अयोध्या, कानपुर देहात, उन्नाव, औरैया, लखनऊ, बाराबंकी, कन्नौज, हरदोई, फरुर्खाबाद, सीतापुर, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बरेली, पीलीभीत, रामपुर, अलीगढ़, बदायूं, बुलंदशहर, संभल, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, मेरठ, बागपत, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर** में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक की संभावना है। वहीं दूसरी ओर चित्रकूट, महोबा, बांदा, हमीरपुर, फतेहपुर, जालौन, झांसी, कासगंज, बरेली, रामपुर, अलीगढ़, बदायूं, बुलंदशहर, संभल, अमरोहा, मुरादाबाद और बिजनौर में कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ मध्यम से तेज बारिश की संभावना जताई गई है। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि प्रदेश में मानसूनी गतिविधियां अभी सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि अगले कुछ दिनों में कई स्थानों पर बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। बारिश के दौरान तेज हवाओं और आकाशीय बिजली की संभावना को देखते हुए लोगों को खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के पास जाने से बचना चाहिए। डॉ. पांडेय के अनुसार, बारिश के कारण तापमान में कुछ गिरावट आने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिल सकती है। हालांकि बारिश रुकने के बाद वातावरण में नमी बढ़ने से कुछ स्थानों पर उमस का असर फिर महसूस हो सकता है। कानपुर में भी पिछले दिनों सक्रिय मानसूनी परिस्थितियों के कारण अच्छी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए लोगों को सलाह दी गई है कि गरज-चमक के दौरान खुले मैदान में न रहें। पेड़ के नीचे खड़े होने से भी बचें और संभव हो तो सुरक्षित भवन के अंदर रहें। किसानों को भी मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्य करने की सलाह दी गई है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे सड़क हादसे में तीन यात्रियों मौत, 11 घायल

एजेंसी

सुलतानपुर : उत्तर प्रदेश में जिला सुलतानपुर के बल्दीराय थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार की सुबह गुड़गांव से बिहार के लिए जा रही बस सिक्स लेन पर ट्रक से टक्करा गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई और उसमे सवार 11 मुसाफिर हल्के और गंभीर रूप से हुए घायल हो गए है। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायलॉ को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बल्दीराय थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार

सुबह गुड़गांव से बिहार के लिए जा रही बस सिक्स लेन पर ट्रक से टक्कर हो गयी। स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गयी। लोगों ने राहत और बचाव कार्य में मदद किया। क्षेत्राधिकारी बल्दीराय आशुतोष कुमार ने गुरुवार को बताया कि सड़क हादसे मे तीन बस यात्रियों की मौत हो गयी है, जबकि 11 यात्रियों को चोटें आई है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान श्यामलाल मंडल, गुड़गांव के झगड़ा कॉम्प्लेक्स, प्रेमपुरी निवासी विनोद मंडल (50) और बिहार के कुमारखंड निवासी किरन देवी (60) पत्नी माहेश्वरी के रूप में हुई है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। टक्कर के बाद ट्रक ड्राइवर गाड़ी लेकर फरार हो गया। सीसीटीबी फुटेज खंगालकर टक्कर मारने वाले ट्रक की तलाश की जा रही है। यात्रियों ने बताया-जय मां शीतला ट्रेवल की बस रोज गुड़गांव से बिहार के लिए चलती है। यह बस गोरखपुर होते हुए बिहार जाती है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

नोएडा में 17वीं मंजिल से गिरकर 11 वर्षीय बच्चे की मौत

एजेंसी

नोएडा : उत्तर प्रदेश जनपद गौतमबुद्धनगर नोएडा में सेक्टर-78 स्थित हाइड पार्क सोसाइटी में 17वीं मंजिल से गिरकर 11 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। घटना के समय वह फ्लैट की बालकनी से नीचे झांक रहा था। संतुलन बिगड़ने के चलते वह नीचे गिरा। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, सोसाइटी के आर टावर में फ्लैट नंबर-1703 में रोहित सिंग्ला परिवार के साथ रहते हैं। वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। उनका बेटा आरव (11) बुधवार शाम फ्लैट की बालकनी में खड़ा था, तभी उसे सोसाइटी में रहने वाले कुछ दोस्त नीचे खेलते दिखाई दिए। दोस्तों को नीचे देखकर वह उनसे बात करने लगा। इसी बीच उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे आ गिरा। सोसाइटी में घूम रहे लोगों ने शोर मचाया और गार्ड की मदद से घायल को नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, सोसाइटी के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। इस घटना ने एक बार फिर बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोगों के सामने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए है।

वारंगल दौरे से पहले बीआरएस नेता हरीश राव नजरबंद

हैदराबाद : भारत राष्ट्र समिति विधानमंडल दल (बीआरएसएलपी) के उपनेता टी. हरीश राव को गुरुवार को उनके वारंगल दौरे से पहले हैदराबाद के कोकापेट स्थित उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया। वे वारंगल के सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्रों से मिलने और जीओ 97 को वापस लेने की मांग को लेकर चलाए जा रहे उनके आंदोलन को समर्थन देने जाने वाले थे। गुरुवार सुबह उनके निकलने से पहले ही पुलिस हरीश राव के आवास पर पहुंच गई और उन्हें सूचित किया कि प्रदर्शन में शामिल होने की अनुमति न होने के कारण उन्हें नजरबंद किया जा रहा है। इस दौरान बीआरएस नेता और कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस के साथ उनकी तीखी बहस हुई। बीआरएसएलपी के उपनेता छात्रों से बातचीत करने वाले थे और सरकार द्वारा पॉलिटेक्निक शिक्षा को 'यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी' में विलय करने के प्रस्तावित फैसले पर सभा को संबोधित करने वाले थे।

शुरूआती कारोबार में सराफा बाजार में कोई बदलाव नहीं, सपाट स्तर पर सोना और चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली : सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुएं आज भी शुरूआती कारोबार में बुधवार के स्तर पर ही कारोबार करती नजर आ रही हैं। भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से देश के ज्यादातर सराफा बाजार में आज भी 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज शुरूआती कारोबार में बुधवार के भाव पर ही यानी 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी लगातार चौथे दिन बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा

बाजार में आज भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में शुरूआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

किश्तवाड़ में नाबालिग के रेप और मौत के मामले में तीन और लोग गिरफ्तार

किश्तवाड़ : जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 15 साल की आदिवासी लड़की के रेप और मौत की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें हेल्थ डिपार्टमेंट का एक डेली-वेजर भी शामिल है। इन पर आरोप है कि इन्होंने रेप की घटना को छिपाने और नाबालिग का गर्भपात (अबॉर्शन) कराने की साजिश रची थी। इसके साथ ही इस मामले में कुल गिरफ्तारियों की संख्या पांच हो गई है। गिरफ्तार किए गए लोगों में मुख्य आरोपी भी शामिल है जो उस सरकारी स्कूल में टीचर था जहां लड़की पढ़ती थी। उसके भाई को भी गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों को 20 अगस्त को नाबालिग की मौत के एक दिन बाद गिरफ्तार किया गया था। मौत चत्रू इलाके में गर्भपात की कोशिश के बाद हुई थी। बाद में गिरफ्तार किए गए तीन लोगों में किश्तवाड़ जिला अस्पताल में डेली-वेजर के तौर पर काम करने वाला एक सफाईकर्मी, मोहम्मद इशाक और रियाज अहमद शेख शामिल हैं। यह जानकारी किश्तवाड़ के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) नरेश सिंह ने दी। अधिकारी ने बताया कि टीचर ने कथित तौर पर पिछले कुछ महीनों में कई बार 15 साल की लड़की का रेप किया जिससे वह प्रेग्नेंट हो गई थी। चत्रू पुलिस स्टेशन को पिछले गुरुवार को नाबालिग की संदिग्ध मौत की जानकारी मिली थी। चूंकि शुरू में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली थी इसलिए मौत की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई।

न्यूज IN ब्रीफ

इंडियन बैंक के शाखा प्रबंधक कमलेश गोप खाताधारियों का ले रहे हैं सुध, मिल रही है बेहतर सेवा

बिनय मिश्रा : इंडियन बैंक चक्रधरपुर शाखा के शाखा प्रबंधक कमलेश गोपके द्वारा योगदान देने के पश्चातसे खाताधारियों की बेहतर ढंग से सुधि लेने के साथ-साथ उनके समस्याओं को जानने तथा तत्क्षण उन्हें बेहतर सेवा देने के लिए जो कारगर उपाय किए जा रहे हैं वह काफी बेहतर साबित हो रहे हैं श्री गोप के द्वारा खाता धारियो की परेशानी जानने के साथ-साथ उसे दूर करने की जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है वह काफी उत्कृष्ट है शाखा प्रबंधक का स्पष्ट मानना है कि खाताधारियों की विश्वास है बैंक और लोगों का धरोहर है बैंकऔर पूंजी भी इस परिस्थिति में खाता धारी को किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो बैंक इसका सर्वथा ध्यान रखता है अगर किसी खाता धारी को कोई परेशानी या किसी प्रकार की कठिनाई हो तो वह सीधे उनसे मिलकर समस्या की जानकारी दे सकते हैं उसे दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा जिससे कि बैंक उनके कार्यों का निष्पादन भली-भांति तत्क्षण कर सके ऐसे शाखा प्रबंधक से निश्चित तौर पर बैंक की शाख और विश्वास दोनों बढ़ती है और ऐसे शाखा प्रबंधक पर लोगों को गर्व भी होता है।

मक्का के खेत में मिला युवक का शव, करंट की चपेट में आने की आशंका

मेदिनीनगर : थाना क्षेत्र के ऊपरलिटांड गांव में बुधवार को मक्का के खेत से करीब 30 वर्षीय युवक का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। सूचना पर थाना प्रभारी नीरज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पहचान कराई। मृतक की पहचान सरईडीह गांव के टोला फटिया निवासी संदीप भुईयां के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार संदीप अपने ससुराल आया था और बुधवार सुबह दो साथियों के साथ जंगली जानवर के शिकार के लिए निकला था। इसी दौरान खेत को जंगली जानवरों से बचाने के लिए चारों ओर प्रवाहित किए गए बिजली के करंट की चपेट में आने से उसकी मौत होने की आशंका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोयल नदी से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

मेदिनीनगर : चैनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर स्थित कोयल नदी से गुरुवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजने की प्रक्रिया शुरू की। खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस शव की पहचान कराने के साथ मामले की जांच में जुटी है।

दो बाइकों की भिड़ंत में 40 वर्षीय युवक की मौत, दूसरा गंभीर

मेदिनीनगर : चैनपुर थाना क्षेत्र के सलतुआ गांव के पास बुधवार शाम दो बाइकों की टक्कर में 40 वर्षीय नेपाल उरांव की मौत हो गई, जबकि धर्मेंद्र उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों जयनगरा गांव के रहने वाले हैं।

परिजनों के अनुसार, नेपाल उरांव और धर्मेंद्र बाइक से चैनपुर बाजार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सलतुआ के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान नेपाल उरांव ने दम तोड़ दिया। धर्मेंद्र का इलाज जारी है।

सूचना पर अस्पताल पुलिस चौकी की टीम ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, चैनपुर पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दोनों बाइकों को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सिंदरी की दुकानों का 11 गुना व पुराना बाजार का छह गुना बढ़ा किराया

धनबाद : एक सितंबर से नगर निगम की 980 दुकानों का किराया बढ़ जाएगा। नगर निगम बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पर अपर नगर आयुक्त ने यह आदेश जारी कर दिया। नगर निगम बोर्ड के निर्णय के अनुसार सिंदरी की दुकानों का किराया 11 गुना तक बढ़ाया गया है। वहीं पुराना बाजार और हीरापुर पार्क मार्केट का किराया छह गुना तक बढ़ाया गया है। नगर निगम ने पार्क मार्केट के भूतल (बेसमेंट) की दुकानों का किराया छह रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रति वर्गफीट किया गया है। वहीं फर्स्ट फ्लोर की दुकानों का किराया छह रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये वर्गफीट किया गया है। हीरापुर हटिया की दुकानों का किराया पांच रुपये से बढ़ाकर 32 रुपये कर दिया गया है। पुराना बाजार की दुकानों का किराया 10 रुपए से बढ़ाकर 48 रुपये प्रति वर्गफीट कर दिया गया है। वहीं सिंदरी की दुकानों का किराया 2 ।5 रुपये से बढ़ाकर 28 रुपए प्रति वर्गफीट किया गया है। कतरास की दुकानों का किराया पांच रुपये से बढ़ाकर 28 रुपये किया गया है। सबसे अधिक किराया विवेकानंद चौक पर बनी निगम की नई दुकानों का रखा गया है। विवेकानंद चौक की दुकानों 69 ।5 रुपए प्रति वर्गफीट रखा गया है। डीएमसी मॉल के दुकानदारों और आसपास के लोगों को मासिक रेंट पर यहां की पार्किंग मिलेगी। निगम ने यहां मल्टीस्टोरी पार्किंग बनाई है। निगम ने एक वाहन के लिए दो हजार रुपये मासिक शुल्क पर यहां 24 घंटे पार्किंग की सुविधा दी जा रही है। बोर्ड बैठक के निर्णय के बाद इस आदेश को मंगलवार को जारी कर दिया गया।

सुबह नौ से दोपहर तीन बजे तक कचरा फेंकने पर रोक की तैयारी

जमशेदपुर : मानगो नगर निगम क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के लिए सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की तैयारी की जा रही है। निगम क्षेत्र को 13 जोन में बांटकर सफाई का काम कराया जा रहा है। अब सफाई एजेंसी संचालकों ने दिनभर सड़कों और बाजारों को साफ रखने के लिए कचरा फेंकने के समय को नियंत्रित करने का सुझाव दिया है।एजेंसी संचालकों के अनुसार, लोगों से अपील की जानी चाहिए कि वे सुबह नौ बजे तक और दोपहर तीन बजे के बाद ही अपना कचरा निर्धारित स्थान पर डालें। सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे के बीच सड़क किनारे, खाली प्लॉट या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने की अपील की जाए। इससे सफाई कर्मियों द्वारा सुबह की सफाई के बाद दोपहर तक सड़कें और बाजार साफ-सुथरे नजर आएंगे।

नेपाल में बाढ़ की त्रासदी को लेकर साहिबगंज प्रशासन अलर्ट, गंगा खतरे के निशान के पार

संवाददाता

साहिबगंज : नेपाल में आई बाढ़ की त्रासदी को देखते हुए बिहार और झारखंड सरकार अलर्ट मोड में है। झारखंड के इकलौता जिला साहिबगंज भी बाढ़ की चपेट में है। गंगा नदी की सहायक नदिया गंडक और कोसी में पानी प्रवेश करने लगा है, जिससे गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी की उम्मीद है।

इस बीच जिला प्रशासन लगातार दियारा क्षेत्र का दौरा कर रही है। साथ ही लोगों से सुरक्षित स्थान पर लौटने की अपील कर रही है। जिला प्रशासन द्वारा मवेशी और लोगों के ठहरने के लिए सेंटर बनाए गए हैं। इन सभी स्थानों पर खाने-पीने और दवा की भी सुविधा उपलब्ध की गई है।

सदर प्रखंड के कारगिल दियारा में गंगा कटाव जारी हो गया है। दर्जनों घर गंगा की गोद में समा गया है। दियारा क्षेत्र जलमग्न होने लगा है। कई लोग सुरक्षित

स्थान पर पलायन करने लगे हैं।

गुरुवार को गंगा नदी खतरे के निशान 27 ।25 मीटर से 58 सेमी उपर से बह रही है। यानी सुबह छह बजे गंगा का जलस्तर 27 ।85 मीटर पर पहुंच चुका है। हांलाकि गंगा नदी के रफ्तार में थोड़ी कमी आयी है, लेकिन नेपाल का पानी बिहार की तरफ बढ़ रहा है और गंगा में पानी आने से साहिबगंज में इसका असर दिख सकता है। साथ ही यहां से सटे बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में भी असर दिख सकता है।

जिला प्रशासन ने लोगों से की अपील

जिला प्रशासन संभावित बाढ़ व प्रलय से जान माल की क्षति न हो, इस दिशा में दियारा क्षेत्र में माइकिंग कर लोगों से अपील की जा रही है कि सुरक्षित स्थान पर लौट जाए। सदर एसडीओ अमर जान आइंद ने बताया कि माइकिंग के जरिए लोगों से सुरक्षित जगहों पर लौटने की अपील की जा रही है। प्रशासन द्वारा प्रभावित लोगों के ठहरने के लिए सेंटर बनाए गए हैं।

झामुमो चक्रधरपुर प्रखंड कमेटी की अहम बैठक

खान एवं खनिज संशोधन विधेयक के विरोध में 7 सितंबर को प्रखंड कार्यालय के समक्ष विशाल धरना-प्रदर्शन

संवाददाता

चक्रधरपुर: स्थानीय विधायक आवास में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) चक्रधरपुर प्रखंड कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रखंड अध्यक्ष सन्नी उरांव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन प्रखंड सचिव ताराकांत सिजूई ने किया।

बैठक में मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा पारित खान एवं खनिज संशोधन विधेयक 2026 के खिलाफ विस्तृत रणनीति तैयार की गई। कार्यकताओं ने इस विधेयक के प्रति गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए इसे जनविरोधी करार दिया।

बैठक के प्रमुख निर्णय एवं बिंदुः

प्रखंड स्तरीय धरना-प्रदर्शनः केंद्र सरकार के खान एवं खनिज संशोधन विधेयक 2026 के विरोध में आगामी 7 सितंबर 2026 को चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय विशाल धरना-

प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रखंड भर से भारी संख्या में जनता और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

चरणबद्ध जन-आंदोलनः विधेयक के दुष्प्रभावों से आम जनता को जागरूक करने के लिए गांव, पंचायत और प्रखंड स्तर पर रूट तय कर चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा बनाई गई।

संगठन विस्तार व समीक्षाः संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने के लिए बूथ कमेटी के विस्तार और प्रत्येक बूथ पर रक्फ्र (संगठनात्मक स्थिति) की गहन समीक्षा की गई।

उपस्थितिःबैठक में विशेष रूप से झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य भुवनेश्वर महतो, विधायक प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम के अलावा विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधि और झामुमो के सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अस्पताल परिसर में धंसान के बाद असुरक्षित इलाके को लेकर बढ़ी लोगों की चिंता

गिरिडीहः सीसीएल गिरिडीह कोलियरी के लंकास्टर अस्पताल परिसर में मंगलवार की सुबह भू-धंसान की घटना घटी थी। घटना के बाद से अस्पताल असुरक्षित क्षेत्र घोषित हो चुका है और अस्पताल को किसी दूसरे भवन में शिफ्ट करने की तैयारी की जा रही है।

सीसीएल गिरिडीह कोलियरी के जीएम कन्हैया शंकर गैवाल, परियोजना पदाधिकारी गोपाल सिंह मीणा, चिकित्सक पदाधिकारी परिमल सिन्हा के साथ सिविल, ईएंडएम के पदाधिकारी इसके लिए मंथन कर रहें हैं। इस बीच अब एक बार फिर से असुरक्षित इलाके की चर्चा हो रही है। लोग असुरक्षित इलाके का अध्ययन करने और वहां की वस्तुस्थिति की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग करने लगे हैं। लोगों का कहना है कि जिस इलाके में भू-धंसान की स्थिति उत्पन्न हो सकती, उस इलाके पर नजर रखने की जरूरत है। अस्पताल परिसर में धंसान के बाद महुआपथारी से लेकर अकदोनी खुर्द, कबरीबाद-चिलगा, गिरिडीह-डुमरी पथ के स्टेडियम के समीप, छह नंबर, सेंट्रलपीट, बरवाडीह-कबरीबाद-बनियाडीह होते हुए मुफ्फसिल थाना तक की सड़क की चर्चा हो रही है। चूंकि यह इलाका ही खतरनाक है, जहां हर वर्ष भू-धंसान होती रही है। खतरनाक इलाके में एक नेशनल हाइवे के साथ-साथ पथ निर्माण विभाग की दो सड़कें शामिल हैं। इन तीन सड़कों में लगभग हरेक वर्ष जमीन धंसने की घटना घटती है। जिन सड़कों में सबसे अधिक गोफ बनने का मामला सामने आता है उनमें गिरिडीह-डुमरी सड़क है। नेशनल हाइवे के अंदर आने वाली इस सड़क के स्टेडियम से बीटा गड्ढा के बीच बारिश के समय गोफ बनता रहा है। यहां सबसे पहले वर्ष 2003 में यह सड़क धंसी थी।

इसके बाद वर्ष 2007 में मैगजीन हाउस मोड़ से लेकर स्टेडियम मोड़ तक की सड़क धंस गई थी। इसके बाद सीसीएल के द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। कई माह तक उक्त स्थल पर बोल्डर से भराई का काम चलता रहा। कड़ी मेहनत के बाद सड़क को भरा गया तो बीच सड़क के धंसने सिलसिला लगभग थम गया लेकिन सड़क के किनारे गोफ बनना भी जारी है। यही स्थिति बरवाडीह-बनियाडीह सड़क की है। पथ निर्माण विभाग के द्वारा इस सड़क का निर्माण करवाया गया लेकिन सड़क हर वर्ष कबरीबाद के पास धंस जाती है। यही स्थिति बस स्टैंड से झींझरी मुहल्ला होते हुए स्टेडियम तक की सड़क की है। इस सड़क में छह नंबर के पास सड़क के किनारे गोफ बनता है। हालांकि, हर बार विभाग इस गोफ को भरने का काम करता है।

कंटेनर की चपेट में आने से मजदूर की मौत

सतबरवा : थाना क्षेत्र के रजडेरवा स्थित ग्रेफाइट कंपनी में बुधवार देर रात कंटेनर की चपेट में आने से 55 वर्षीय मजदूर वकील अहमद की मौत हो गई। वे झाबर गांव निवासी स्वर्गीय हुसैनी मियां के पुत्र थे। जानकारी के अनुसार, ग्रेफाइट कंपनी में माल लेने कंटेनर पहुंचा था। इसी दौरान वकील अहमद उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची सतबरवा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच लाया गया है। आज पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मदर टेरेसा : करुणा को कर्म और सेवा को जीवन बनाने वाली एक महान आत्मा

हृदयानंद मिश्र

आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, मनुष्य विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है, तब भी समाज के सामने गरीबी, भूख, बीमारी, बेघरपन, अकेलापन और मानवीय संवेदनाओं के क्षरण जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं। ऐसे समय में मदर टेरेसा का जीवन हमें यह याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी शक्ति धन, सत्ता अथवा प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि दया, करुणा और सेवा की भावना है।

मदर टेरेसा की जयंती केवल किसी महान व्यक्तित्व को स्मरण करने का अवसर नहीं है; यह अपने भीतर झाँकने और यह प्रश्न पूछने का अवसर भी है कि हमारे आसपास पीड़ा में जी रहे मनुष्यों के लिए हम क्या कर रहे हैं।

मदर टेरेसा का जन्म 26 अगस्त 1910 को स्कोप्जे में हुआ था। उनका मूल नाम एग्नेस गोंझा बोयाज्यू था। भारत आकर उन्होंने अपना जीवन उन लोगों के लिए समर्पित कर दिया, जिन्हें समाज अक्सर हाशिए पर छोड़ देता है। कोलकाता की गलियों में रोगियों, अनाथों, निराश्रितों और मृत्युशैया पर पड़े लोगों के बीच उन्होंने सेवा का ऐसा अध्याय लिखा, जिसकी गूंज भारत की सीमाओं से बाहर पूरी दुनिया तक पहुँची।

उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने गरीबी को केवल आँकड़ों में नहीं देखा। उन्होंने गरीब व्यक्ति में एक जीवित मनुष्य को देखा—उसकी पीड़ा को महसूस किया और उसके पास जाकर उसका हाथ थामा। उनके लिए सेवा किसी उपकार का नाम नहीं थी। सेवा उनके जीवन का धर्म थी और करुणा उनकी जीवन-पद्धति।

सेवा को संस्थागत रूप देने का असाधारण कार्य

मदर टेरेसा ने 1950 में मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की। यह संस्था आगे चलकर दुनिया के अनेक देशों में जरूरतमंदों की सेवा का माध्यम बनी। अनाथ बच्चों, कुष्ठरोगियों, गंभीर रूप से बीमार लोगों, निराश्रितों और मृत्यु के निकट पहुँच चुके लोगों के लिए उन्होंने आश्रय और मानवीय गरिमा सुनिश्चित करने का प्रयास किया।

उनका काम केवल भोजन या दवा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं था। उनकी दृष्टि में किसी पीड़ित मनुष्य को यह महसूस कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण था कि वह अकेला नहीं है और उसका जीवन भी सम्मान के योग्य है।

यही कारण है कि मदर टेरेसा का कार्य सामाजिक सेवा की परंपरा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण बन गया।

पुरस्कारों से बड़ी थी उनकी सेवा

मदर टेरेसा को जीवन में अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए। भारत ने उन्हें पद्मश्री (1962) और भारत रत्न (1980) से सम्मानित किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार (1979) प्रदान किया गया।

लेकिन उनकी महानता इन पुरस्कारों में नहीं थी। पुरस्कार तो उनके कार्य की दुनिया द्वारा की गई स्वीकृति मात्र थे। असली सम्मान तो उन असंख्य लोगों की आँखों में था, जिन्हें उन्होंने जीवन के सबसे कठिन क्षणों में सहारा दिया।

किसी भी समाजसेवी के लिए इससे बड़ा पुरस्कार क्या हो सकता है कि एक असहाय व्यक्ति यह कह सके—ह्लजब

सबने मुझे छोड़ दिया था, तब किसी ने मेरा हाथ थामा था।ह्व

आलोचनाओं के बीच भी सेवा का महत्व

मदर टेरेसा के कार्य और उनकी संस्थाओं को लेकर समय-समय पर आलोचनाएँ और बहसें भी हुई हैं। किसी भी बड़े सार्वजनिक व्यक्तित्व की तरह उनके जीवन और कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन होना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक और बौद्धिक समाज में प्रश्न पूछने तथा संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने का अधिकार बना रहना चाहिए।

लेकिन आलोचनाओं के बीच भी एक तथ्य निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण है—मदर टेरेसा ने अपना जीवन गरीब और असहाय मनुष्यों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

उनकी विरासत को समझने के लिए न तो अंध-स्तुति उचित है और न ही एकांगी आलोचना। इतिहास के गंभीर अध्ययन का रास्ता इन दोनों अतियों के बीच से गुजरता है।

आज के भारत में मदर टेरेसा की प्रासंगिकता

आज भारत आर्थिक और तकनीकी रूप से तेजी से आगे बढ़ रहा है। करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव आया है। लेकिन इसके साथ सामाजिक असमानता, बुजुर्गों का अकेलापन, बेघर लोगों की समस्या, मानसिक तनाव, गरीबों के स्वास्थ्य की चुनौतियाँ और कमजोर वर्गों की समस्याएँ भी हमारे सामने हैं।

ऐसे समय में मदर टेरेसा का जीवन हमें विकास की एक मानवीय परिभाषा देता है। विकास केवल ऊँची इमारतें खड़ी करने का नाम नहीं है। विकास तब सार्थक है, जब आखिरी पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी सम्मान के साथ जीवन जी सके।

आज आवश्यकता है कि सेवा को केवल कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं या समाजसेवियों का दायित्व न माना जाए। सरकार, सामाजिक संगठन, धार्मिक संस्थाएँ, उद्योग जगत और सामान्य नागरिक—सभी मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बनाएं जिसमें किसी गरीब को इलाज के अभाव में, किसी बच्चे को भूख के कारण और किसी बुजुर्ग को अकेलेपन के कारण जीवन से संघर्ष न करना पड़े।

करुणा ही सभ्यता की पहचान है

हम अक्सर अपनी सभ्यता की श्रेष्ठता का दावा करते हैं। लेकिन किसी सभ्यता की वास्तविक परीक्षा इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर व्यक्ति के साथ कैसा व्यवहार करती है।

मदर टेरेसा ने हमें यही कसौटी दी।

उन्होंने दुनिया को बताया कि किसी पीड़ित व्यक्ति के पास बैठना भी सेवा है, किसी भूखे को भोजन देना भी सेवा है, किसी बीमार का घाव साफ करना भी सेवा है और किसी निराश व्यक्ति को यह विश्वास दिलाना भी सेवा है कि उसका जीवन मूल्यवान है।

उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि मानवता के लिए किया गया छोटा-सा कार्य भी इतिहास में बड़ी जगह बना सकता है।

आज उनकी जयंती पर उन्हें स्मरण करते हुए हमें केवल पुष्पांजलि अर्पित नहीं करनी चाहिए, बल्कि अपने आसपास के किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में थोड़ी-सी रोशनी लाने का संकल्प लेना चाहिए।

मदर टेरेसा की सबसे बड़ी विरासत कोई भवन, संस्था या पुरस्कार नहीं है। उनकी सबसे बड़ी विरासत है—दूसरे मनुष्य के दुःख को अपना दुःख समझने की संवेदना।

आज जब सार्वजनिक जीवन में स्वार्थ, प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा की होड़ बढ़ रही है, तब मदर टेरेसा का जीवन हमें करुणा और निस्वार्थ सेवा की ओर लौटने का आह्वान करता है।

उनकी जयंती पर यही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी कि हम अपने समाज के गरीब, निर्बल, असहाय, बीमार और उपेक्षित लोगों के प्रति अपने हृदय और अपने हाथ दोनों खोलें।

मदर टेरेसा केवल एक व्यक्ति नहीं थीं; वे मानवता की उस संवेदना का नाम थीं, जो किसी मनुष्य की पीड़ा देखकर स्वयं को रोक नहीं पाती।

करुणा की उस महान प्रतिमूर्ति को उनकी जयंती पर शत-शत नमन।